!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 122। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर,
बुधवार,
07 मई,
2025

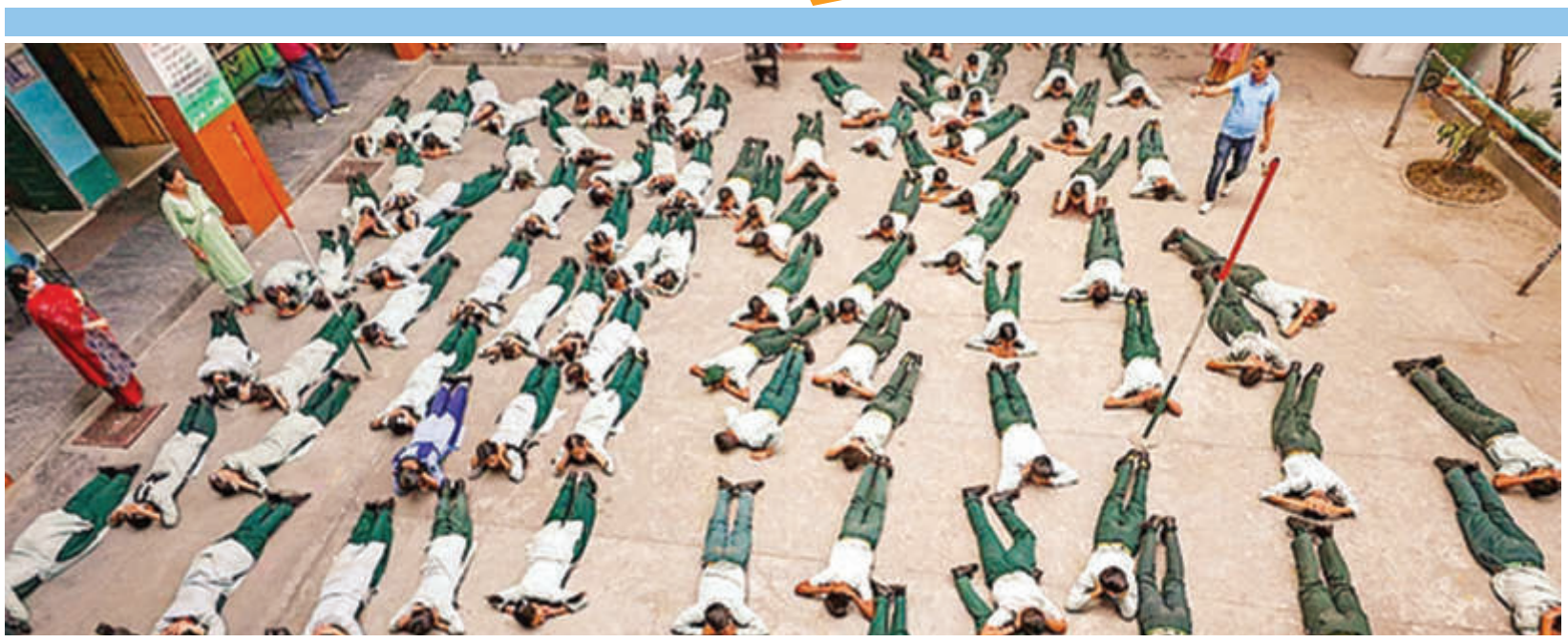

जम्मू में भूकंप की तैयारी पर मॉक ड्रिल के दौरान स्कूली छात्र।

मॉकड्रिल : पीएम मोदी-एनएसए डोभाल के बीच हुई अहम बैठक

एजेंसी ● नई दिल्ली

देशभर में मॉकड्रिल की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के चलते सरकार ने 7 मई को कई राज्यों में मॉक ड्रिल करवाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सिविल डिफेंस से जुड़े लोगों को आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मॉक ड्रिल के तहत आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रशिक्षण होगा। युद्ध या आपदा की स्थिति में पहले मॉक ड्रिल की जाती है।

महाराष्ट्र में मुंबई, पुणे और ठाणे सहित 16 स्थानों पर बजेगा युद्ध का सायरन

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध का सायरन बजने वाला है। बुधवार को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई समेत महाराष्ट्र के ठाणे और पुणे जैसे प्रमुख शहरों में 16 स्थानों पर हमले की स्थिति में आपातकालीन तैयारियों का परीक्षण करने के लिए मॉक ड्रिल की जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस संबंध में मुख्य सचिव और गृह सचिव के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 7 मई को राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास की घोषणा की है, जिसमें महाराष्ट्र भी शामिल है। बुधवार को महाराष्ट्र में भी मॉक ड्रिल होगा। लेकिन, यह नहीं बता सकता कि किन-किन स्थानों पर ऐसा होगा। वहीं, महाराष्ट्र सिविल डिफेंस के निदेशक प्रभात कुमार ने कहा कि बुधवार को पूरे महाराष्ट्र में मॉक ड्रिल की जाएगी। इसमें तटीय क्षेत्र खासतौर से शामिल है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के अधीन आने वाली सभी एजेंसियां मॉक ड्रिल में हिस्सा लेंगी जिसमें करीब 10,000 प्रशिक्षित वॉलेंटियर शामिल होंगे।

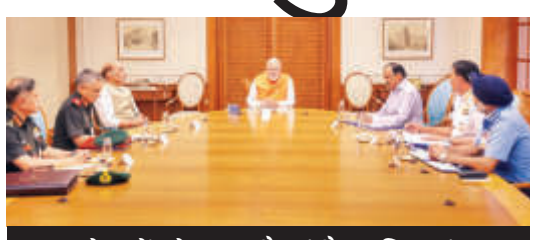

मध्यप्रदेश में भोपाल और इंदौर सहित पांच जिलों में 'मॉक ड्रिल' की जाएगी

प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में 'मॉक ड्रिल' के लिए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। यादव ने मंगलवार को कहा कि बुधवार को होने वाली 'मॉक ड्रिल' के संबंध में जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। बुधवार को इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में शाम चार बजे से 'मॉक ड्रिल' की जाएगी।

गुजरात के 13 जिलों में 19 स्थानों पर बुधवार को मॉक ड्रिल

गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मॉक ड्रिल के लिए अधिकारियों द्वारा तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा की गई। राज्य के जिन 19 स्थानों पर 'मॉक ड्रिल' होनी है, उनमें अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, काकरापार (सूरत), जामनगर, गांधीनगर, कच्छ, भुज (कच्छ), नलिया (कच्छ), कांडला (कच्छ), वाडिनार (जामनगर), भावनगर, भरूच, अंकलेश्वर (भरूच), ओखा (देवभूमि द्वारका), डांग, मेहसाणा, नर्मदा और नवसारी शामिल है।

पंजाब में बुधवार को 20 स्थानों पर होने वाली मॉक ड्रिल की तैयारी

पंजाब सरकार में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि बुधवार को राज्य में जिन 20 स्थानों पर मॉक ड्रिल की जाएगी, उनमें फिरोजपुर, लुधियाना, अमृतसर, बठिंडा, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, पटियाला, पठानकोट, बरनाला और मोहाली शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के आयोजन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और इस अभ्यास के दौरान गृह मंत्रालय के निर्देशों का पालन किया जाएगा।

ओडिशा के 12 जिलों में मॉक ड्रिल

ओडिशा सरकार ने मंगलवार को यहां एक तैयारी बैठक की, जिसमें अग्निशमन सेवा के महानिदेशक सुधांशु सारंगी ने बताया कि गृह मंत्रालय ने ओडिशा समेत सभी राज्यों से बुधवार को शाम चार बजे मॉक ड्रिल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल अंगुल, खुर्दा, बालासोर, भद्रक, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, गंजम, ढेंकनाल, पुरी, कोरापुट, संबलपुर और सुंदरगढ़ में की जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान की फजीहत

अमेरिका ने लताड़ा, 'दोस्त'चीन ने भी नहीं दिया साथ

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य तैयारियों को देखकर पाकिस्तान को हर पल हमले का खौफ सता रहा है। इसी वजह से पाकिस्तान पूरी तरह से बौखलाया हुआ और दुनिया के अन्य देशों से मदद की गुहार लगा रहा है। पाकिस्तान ने सहानुभूति बटोरने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में इस मुद्दे पर बंद कमरे में मीटिंग बुलाई थी लेकिन वहां भी पड़ोसी देश की जमकर फजीहत हो गई है। इस मीटिंग में पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान से तीखे सवाल पूछे गए। यहां तक कि हमले के पीछे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की भूमिका को लेकर भी पाकिस्तान को फटकार लगाई गई है। मीटिंग में यूएनएससी के सदस्य देशों ने भारत को लेकर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठे नैरेटिव को भी पूरी तरह खारिज कर दिया।

चीन का भी नहीं मिला साथ

सबसे हैरानी की बात यह रही कि UNSC के स्थाई सदस्य अमेरिका, फ्रांस, रुस और ब्रिटेन ने पाकिस्तान से तीखे सवाल किए, साथ ही पाकिस्तान के 'दोस्त' चीन ने भी उसका साथ नहीं दिया, जिसके भरोसे पड़ोसी मुल्क उछल रहा था। सूत्रों के मुताबिक बैठक में सदस्य देशों की ओर से न सिर्फ पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई, बल्कि धर्म पूछकर पर्यटकों को निशाना बनाने का मुद्दा भी उठाया गया। कुछ देशों ने पाकिस्तान की ओर से किए गए मिसाइल टेस्ट और परमाणु हथियारों की धमकी पर भी सवाल उठाए और इसे उकसावे की कार्रवाई बताया है। पाकिस्तान इस मुद्दे पर किसी तीसरे की दखल के अपने पुराने ढर्रे पर चलना चाहता था. लेकिन सदस्यों देशों ने इसे द्विपक्षीय मुद्दा बताते हुए किसी तरह की दखल से इनकार कर दिया।

न कोई प्रस्ताव आया, न बयान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इस क्लोज डोर मीटिंग का कुछ भी नतीजा नहीं निकला बल्कि इससे पाकिस्तान की थू-थू जरूर हो गई। इस बैठक के बाद किसी भी देश की ओर से न तो कोई प्रस्ताव लाया गया और न ही किसी ने इस पर कोई बयान दिया है। पाकिस्तान की कोशिश थी कि क्लोज डोर मीटिंग के जरिए बाकी देश भारत से संयम बरतने के लिए कहेंगे। लेकिन उसका मंसूबा पूरा नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट बोला-भारत में आरक्षण ट्रेन की बोगी की तरह :जो अंदर हैं वे नहीं चाहते

एजेंसी ● नई दिल्ली

देश में जाति आधारित आरक्षण रेलगाड़ी के डिब्बे की तरह हो गया है, जो लोग इस डिब्बे में चढ़ते हैं, वे दूसरों को अंदर नहीं आने देना चाहते।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग (OBC) के लिए आरक्षण से जुड़े मामले की सुनवाई में ये टिप्पणी की।

दरअसल, महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव आखिरी बार 2016-2017 में हुए थे। इसके बाद से ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को आरक्षण देने को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है, जिसकी वजह से अब तक चुनाव नहीं हो पाए हैं।

साल 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें ओबीसी के लिए 27% आरक्षण देने की बात थी। कोर्ट ने कहा था कि आरक्षण देने से पहले कुछ जरूरी शर्तें पूरी करनी होंगी।

ये शर्तें तीन चरणों में थीं

- राज्य सरकार को एक आयोग बनाना होगा, जो यह जांच करे कि ओबीसी वर्ग कितना पिछड़ा है और उसकी क्या जरूरतें हैं।
- इस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर तय किया जाए कि कितना आरक्षण दिया जाए।
- एससी, एसटी और ओबीसी, इन सभी के लिए मिलाकर कुल आरक्षण 50% से ज्यादा नहीं होना चाहिए।
- आरक्षण का फायदा आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को मिले

मोदी बोले- भारत के हितों के लिए रुकेगा पानी और देश के काम आएगा

देश तभी आगे बढ़ता है जब हम राष्ट्र को सबसे पहले रखते हैं

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को खत्म कर दिया है। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर कहा- भारत का पानी पहले बाहर जाता था, अब वह भारत के हितों के लिए रुकेगा और देश के काम आएगा। यानि जो पानी पहले भारत की सीमा से बाहर खासकर पाकिस्तान या बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में जा रहा था, अब भारत सरकार उस पानी को देश के हित में रोकने और उपयोग में लाने की योजना बना रही है।

पीएम मोदी ने कहा, 'एक समय था जब कोई भी जरूरी कदम उठाने से पहले लोग सोचते थे कि दुनिया क्या सोचेगी... वे सोचते थे कि उन्हें वोट मिलेगा या नहीं, उनकी सीट सुरक्षित रहेगी या नहीं। इन कारणों से बड़े सुधारों में देरी हुई। कोई भी देश इस तरह आगे नहीं बढ़ सकता। देश तभी आगे बढ़ता है जब हम राष्ट्र को सबसे पहले रखते हैं।'

सिंधु जलसंधि को रोकने का फैसला कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) ने लिया, जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। भारत ने स्पष्ट किया है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता, तब तक यह निलंबन प्रभावी रहेगा। इस संधि की शुरुआत के बाद से यह पहली बार है कि भारत ने आधिकारिक तौर पर इस पर रोक लगाई है - यह उसके कूटनीतिक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। लगातार तनाव के कारण वर्षों से समीक्षा के लिए समय-समय पर आह्वान के बावजूद, संधि अब तक अछूती रही है। हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि भारत को अपने हिस्से के पानी का पूरा उपयोग करना चाहिए ताकि खेती, पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए देश में जल उपलब्धता बढ़ सके।

इस नीति से भारत को लाभ

- खेती के लिए ज्यादा पानी मिलेगा, खासकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में।
- नए डैम और बैराज बनाकर जल संग्रहण और बिजली उत्पादन में इजाफा होगा।
- बाढ़ नियंत्रण में मदद मिलेगी और सूखे इलाकों में जल आपूर्ति बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

बालाघाट, मण्डला एवं डिण्डोरी के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के 850 पद स्वीकृत

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में पचमढ़ी नगर की नजूल भूमि को अभयारण्य की सीमा से पृथक किये जाने का निर्णय लिया गया। पचमढ़ी नगर का नजूल क्षेत्र जिसका रकबा 395.931 हेक्टेयर है, जो साडा के प्रशासनिक नियंत्रण में है, को पचमढी अभयारण्य की सीमा से बाहर करने का निर्णय लिया गया है। इसके पूर्व अधिसूचना 22 दिसम्बर 2017 द्वारा पचमढ़ी अभयारण्य की परिधि पर स्थित 11 ग्रामों को अभयारण्य से बाहर किया और कुछ ग्रामों को इन्क्लोजर में रखा गया है।

मंत्रि-परिषद द्वारा पैरा-ओलम्पिक में पदक विजेता खिलाड़ियों को 50-50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दिये जाने का अनुमोदन दिया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए पैरा-ओलम्पिक-2024 में कांस्य पदक विजेता खिलाडियों को 50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, जिससे कुल सम्मान राशि 1 करोड़ रूपये हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा पैरा-ओलम्पिक खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस और श्री कपिल परमार को पैरा-ओलम्पिक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की थी। पेरिस, फ्रांस में आयोजित पैरा ओलम्पिक खेल, 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 में म.प्र. की खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस ने शूटिंग खेल में कांस्य पदक एवं श्री कपिल परमार ने ब्लाइंड जुडो खेल में कांस्य पदक अर्जित किया था।

मंत्रि-परिषद ने नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट, मण्डला एवं डिण्डोरी के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के लिये एक वर्ष के लिए 850 पदों की स्वीकृति प्रदान की है। मंत्रि-परिषद द्वारा पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 'राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल' का गठन करने के निर्णय को स्वीकृति दी गई। राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल को पेंशन प्रकरणों के निराकरण से संबंधित समस्त प्रक्रिया के लिए अधिकृत किया जायेगा। संभागीय और जिला स्तर के कार्यालयों तथा सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से 2 वर्ष के लिए वर्तमान संभागीय और जिला पेंशन कार्यालयों को पेंशन समाधान केन्द्र के रूप में सीमित संरचना के साथ रखा जायेगा। पदों का युक्तियुक्तकरण किया जायेगा। इससे राज्य शासन पर अनावर्ती व्यय भार 5 करोड़ रूपये होगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा नव गठित जिले मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अंतर्गत जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय और निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में नाप-तौल कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति दी। तीन जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय के लिए कुल 16 पद और 4 जिलों में नाप-तौल कार्यालय के लिए कुल 13 पदों की स्वीकृति दी गयी।

स्वीकृति अनुसार मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा में जिला आपूर्ति अधिकारी का 1-1 पद, सहायक आपूर्ति अधिकारी के 1-1 पद, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के मऊगंज में 2 और मैहर, पांढुर्णा में 1-1 पद, लेखापाल का 1-1 पद एवं भृत्य का 1-1 पद स्वीकृत किया गया।

कार्यालय नाप-तौल के लिए नव गठित जिला निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में निरीक्षक का 1-1 पद, सहायक ग्रेड-3 के 1-1 पद, श्रम सहायक के मऊगंज में 2 पद एवं मैहर, पांढुर्णा और निवाडी में 1-1 पदो की स्वीकृति दी गयी।

आधा से ज्यादा आबादी सो न सकी, सड़कों और तारों पर उलझी रहीं टहनियां

पोल खोलने के लिए ही आई थी बारिश

संवाददाता ● इंदौर

बारिश

शहर में रविवार शाम को हुई बेमौसम धुआंधार बारिश ने कई विभागों की पोल खोलकर रख दी। मानसून से पहले नगर निगम, बिजली कंपनी व अन्य विभागों को मेंटेनेंस करना होता है, लेकिन वो हो नहीं सका। इसका खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ा। आधे से ज्यादा शहर में बत्ती गुल रही और जिम्मेदारों ने फोन तक उठाना जरूरी नहीं समझा। थक-हारकर और अव्यवस्थाओं को कोसते हुए लोगों ने जैसे-तैसे रात गुजारी। पूरे शहर का आलम यह था कि जहां-तहां पेड़ों की टहनियां बिजली के तारों पर गिरी पड़ी रहीं। डेढ़ सौ स्थानों पर इस तरह के हालात बने। रात दो बजे तक पश्चिमी क्षेत्र और खंडवा रोड क्षेत्र के कई इलाकों में बिजली गुल रही। लाखों लोग परेशान होते रहे। शहर के दोनो हिस्सों की सड़कों पर भी अंधेरा था और ट्रैफिक सिग्नल भी बंद रहे। वैशाली नगर औरराजेंद्र नगर क्षेत्र में तो अलसुबह 4 बजे तक बिजली नहीं आई। यहां हाईटेंशन लाइन पेड़ों के गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई थीं।

कॉल सेंटर के फोन भी बंद

बत्ती गुल होने की शिकायत के लिए बिजली कंपनी ने कॉल सेंटर पोलोग्राउंड में स्थापित किया है। शहरवासी 1912 पर कॉल कर-करके थक गए, क्योंकि बाद में पता चला कि ये नंबर शाम छह बजे से ही ठप था। लोग शिकायत दर्ज कराने के लिए परेशान होते रहे। नाराज लोग बिजली कंपनी के जोनल कार्यालय पर भी पहुंचे, लेकिन वहां भी स्टाफ नदारद था। बिजली व्यवस्थाएं सामान्य करने के लिए सैकड़ों कर्मचारी व अधिकारी रविवार शाम से लेकर सोमवार तड़के तक लगातार जुटे रहे। इस दौरान जहां 80 से 90 फीडरों के फॉल्ट दुरुस्त किये गए, वहीं चार हजार से ज्यादा व्यक्तिगत शिकायतों का भी समाधान किया गया। बिजली कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने शाम से ही प्रति घंटे बिजली व्यवस्था सुधार रिपोर्ट की अपडेट लेना शुरु कर दी थी। बिजली कर्मचारियों द्वारा सतत सुधार कार्य जारी रहने के साथ प्रबंध निदेशक ने कर्मचारी- अधिकारियों से फोन पर सतत संवाद भी कायम रखा, ताकि अंधेरे में कीचड़, पेड़ों की टहनियों, मच्छर या अन्य जीव जंतु के बीच कार्य कर रहे कर्मचारियों का मनोबल सतत बना रहे। प्रबंध निदेशक ने मुख्य अभियंता एसआर बमनके, अधीक्षण अभियंता मनोज शर्मा, कार्यपालन अभियंताओं से लगातार संवाद कर आपूर्ति स्थिति सुधार की हर घंटे जानकारी ली।

तीसरा दिन भी झमाझम

बारिश का दौर तीसरे दिन यानी मंगलवार को भी जारी रहा। दिन से मौसम में परिवर्तन देखने को मिला। किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने लगी और फिर बारिश शुरु हो गई। तेज हवाओं के कारण सोमवार को भी कई पेड़ गिर गए। पहले दस मिनट के लिए बारिश हुई, लेकिन रात दस बजे के बाद तेज बारिश का दौर शुरु हो गया और कई क्षेत्रों में पानी भर गया। इस कारण मार्गों पर ट्रैफिक जाम भी हुआ। सोमवार को शहर में अनेक जगह वैवाहिक समारोह भी हैं। लेकिन तेज हवा और बारिश ने मजा किरकिरा कर दिया। खुले में लगे टेंट-तंबू उड़ गए और मेहमानों को बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। सड़कों पर निकली बारात में शामिल बाराती भी भीगने से बचने के लिए इधर उधर भागते नजर आए। रात को तेज हवा चलते ही शहर के कई हिस्सों की बिजली गुल हो गई, जो देर तक नहीं आई। अन्नपूर्णा, राजेंद्र नगर, कैट रोड और उषा नगर सहित कई इलाकों में घर और सड़कें अंधेरे में डूबी रही। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि पिछले साल 80 से ज्यादा जलजमाव के क्षेत्र चिन्हित किए गए थे। वहां पर नगर निगम ने काम किया, इस कारण रविवार की ही बारिश के दौरान वहां जलजमाव नहीं हुआ। लेकिन जिन क्षेत्रों में निर्माण कार्य चल रहा है, वहां जलजमाव की स्थिति निर्मित हुई।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि में स्टार्टअप्स के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

आयोजन

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ एवं आईपीआर सेल के संयुक्त तत्वावधान में 'स्टार्टअप्स के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा एवं प्रबंधन' विषय पर एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुश्री अपर्णा पांढरकर, भारतीय पेटेंट एजेंट एवं स्टार्टअप प्रोत्साहक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. अजय कुमार चौबे, संस्थापक एवं निदेशक – ई-स्किल भारत, स्टार्टअप इंडिया मेंटर और इग्नू-एनसीआईडीई के नवाचार समन्वयक बतौर वक्ता विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आईपीआर की मूल अवधारणाओं, पेटेंट प्रक्रिया और नवाचार के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना था, जिससे वे अपने विचारों की सुरक्षा कर सकें और उन्हें व्यावसायिक स्तर तक ले जा सकें।

कार्यशाला के पहले दिन सुश्री अपर्णा पांढरकर ने "पेटेंट ड्राफ्टिंग एवं फाइलिंग" विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को पेटेंट तैयार करने की प्रक्रिया, ड्राफ्टिंग के नियम और फाइलिंग की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों और केस स्टडीज़ के माध्यम से छात्रों को पेटेंट प्रक्रिया को गहराई से समझाया, जिससे नवोन्मेषी विचारों को विधिक सुरक्षा मिल सके। दूसरे दिन के विषय आइडिया से हकीकत तक की यात्रा में डॉ. अजय कुमार चौबे ने विचारों को व्यावसायिक एवं नवाचार मॉडल में बदलने की प्रक्रिया और बौद्धिक संपदा की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यशाला के दूसरे दिन विषय आइडिया से हकीकत तक की यात्रा में डॉ. अजय कुमार चौबे ने छात्रों को यह बताया कि किसी भी विचार को व्यावसायिक मॉडल में कैसे बदला जा सकता है। उन्होंने नवाचार, स्टार्टअप विकास और बौद्धिक संपदा अधिकारों की व्यावसायिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार से एक सामान्य विचार को नीति, निवेश और नवाचार के माध्यम से सशक्त उद्यम में बदला जा सकता है। इस कार्यशाला के संयोजक के रूप में श्रीमती माधवी पाटकर (संस्थान समन्वयक) और डॉ. प्रतीक निगम (आईपीआर सेल समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष – ईईई) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला का संचालन इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ की एचओडी डॉ. नैश ज़मीर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विधि, इंजीनियरिंग, नर्सिंग तथा कृषि संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रिवर्स माइग्रेशन से क्षेत्र का तेजी से विकास संभव : प्रो. विजय मनोहर तिवारी

भोपाल। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रवर्तन में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा गत 2 सप्ताह से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, कॉलेजों के प्राध्यापकों हेतु उद्यमिता विषय पर आयोजित किये जा रहे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में श्री विजय मनोहर तिवारी, कुलगुरू, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल मुख्य अतिथि तथा डॉ. मुकेश मिश्रा, निदेशक, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनिल कोठारी, महानिदेशक, म. प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने की। श्री तिवारी ने प्रशिक्षण प्राप्त प्राध्यापकों के मध्य उन्होंनें सफल उद्यमियों के उदाहरण प्रस्तुत किये कि किस तरह उद्यमी चुनौतियों का सामना कर स्वंय को स्थापित किये हैं और इस क्षेत्र में लोंगों को रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने रिवर्स माइग्रेशन पर जोर देते हुए कहा कि अपने क्षेत्र के विकास और लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और इस पर कार्य करना होगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि उद्यम करने से ही कार्य सफल होता है, सोते हुए सिंह के मुख में हिरन स्वंय प्रवेश नहीं करता तथा कहा कि उद्यम ही श्रेष्ठ विकल्प है। डॉ. अनिल कोठारी, महानिदेशक, मेपकास्ट ने कहा कि परिषद् नवाचार एवं अनुसंधान के माध्यम से आधुनिक संसाधनों के उपयोग से उद्यमियों एवं स्टार्टअप के क्षेत्र को विकसित करने हेतु दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा देश के प्रतिष्ठित उद्यमी रतन टाटा जैसे व्यक्तियों को पाठ्यक्रम में जोडा जाना चाहिए जिससे कि छात्रों को शिक्षा दौरान ही इस क्षेत्र की महत्ता समझ आये तथा इस क्षेत्र में केरियर बनाने की प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर 3 प्रशिक्षणार्थियों सुश्री गौरी शर्मा, डॉ. सुचित्रा श्रीवास्तव एवं प्रो. कमल सिंह यादव ने भी अपने प्रशिक्षण संबंधी अनुभव साझा किये तथा बताया कि वे अपने संस्थानों में छात्रों को जागरूक करने एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तत्पर है।

ओडिसी इलेक्ट्रिक ने नया लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर हायफाय लॉन्च किया

एजेंसी ● मुंबई

ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली भारत की तेजी से बढ़ती कंपनी, ने आज अपने नए लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर हायफाय को लॉन्च कर अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इस लॉन्च के साथ, ओडिसी इलेक्ट्रिक ने पर्यावरण-अनुकूल और सस्ते शहरी यातायात समाधान देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। ओडिसी हायफाय की कीमत 42,000 रुपये है, जो इसे काफी किफायती बनाती है।

ओडिसी हायफाय उन शहरी यात्रियों के लिए बनाया गया है जो पारंपरिक पेट्रोल स्कूटरों के बजाय किफायती और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चाहते हैं। यह एक नया लो-स्पीड मॉडल है जो आकर्षक डिज़ाइन, भरोसेमंद प्रदर्शन और शून्य उत्सर्जन के साथ आता है। शहरी यात्रा को आसान बनाने, नियमों का पालन करने और कम रखरखाव के साथ, ओडिसी हायफाय स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स और लास्ट-माइल डिलीवरी राइडर्स के लिए बिल्कुल परफेक्ट गाड़ी है। ओडिसी हायफाय में 250W मोटर दी गई है, जो 48V या 60V बैटरी विकल्पों के साथ आती है और 25 किमी/घंटा तक की स्पीड पकड़ती है। इसमें सिटी ड्राइव, पार्किंग और रिवर्स राइड मोड जैसे फीचर्स हैं। फिर आपको काम के लिए जाना हो या वीकेंड पर घूमने के लिए निकलना हो, ओडिसी हायफाय आपके लिए बिल्कुल उपयुक्त स्कूटर है। रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रैक्टिकल बूट स्पेस, लंबी यात्राओं में आराम के लिए क्रूज कंट्रोल और रीयल-टाइम जानकारी के लिए एलईडी डिजिटल मीटर जैसे फीचर्स इसे और खास बनाते हैं। ओडिसी हायफाय के लॉन्च के बारे में, ओडिसी इलेक्ट्रिक के फाउंडर श्री नेमिन वोरा ने कहा, "हमारा नया लो-स्पीड स्कूटर ओडिसी हायफाय इस बात का सबूत है कि हम नई तकनीक, पर्यावरण की सुरक्षा और सभी के लिए किफायती सवारी देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह किफायती यात्रियों और लास्ट-माइल डिलीवरी की जरूरतों को पूरा करता है, ताकि भारत स्वच्छ और स्मार्ट यातायात की ओर तेजी से बढ़े। ओडिसी हायफाय सिर्फ एक स्कूटर नहीं, बल्कि हरे-भरे भविष्य की ओर एक कदम है। यह रोजाना सफर करने वालों के लिए एक सस्ता, कुशल और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है।

ओडिसी हायफाय के प्रमुख फीचर्स

टॉप स्पीड : 25 किमी प्रति घंटे (लो-स्पीड ईवी रेगुलेशंस के साथ कॉम्पलाएंट)

रेंज : एक बार चार्ज करने पर 70-89 किलोमीटर तक

बैटरी : एडवांस्ड लीथियम-ऑयन एवं ग्रैफीन

चार्जिंग का समय : 4-8 घंटे

लाइटवेट एवं कॉम्पैक्ट : ट्रैफिक में चलाना आसान

स्मार्ट फीचर्स : पर्याप्त बूट स्पेस, क्रूज कंट्रोल, एलईडी मीटर

5 आकर्षक रंगों में उपलब्ध : रॉयल मैट ब्लू, सेरैमिक सिल्वर, ऑरोरा मैट ब्लैक, फ्लेयर रेड और जेड ग्रीन ओडिसी हायफाय जो किफायती और पर्यावरण-अनुकूल गाडियों की तलाश कर रहे नए राइडर्स और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए एक शानदार विकल्प है। अपने बेहतरीन फीचर्स, प्रदर्शन और किफायती कीमत के साथ, ओडिसी इलेक्ट्रिक ने भारत के बदलते शहरी परिदृश्य के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक समावेशी, स्टाइलिश और उपयोगी बनाने के अपने मिशन को मजबूत किया है।

शॉट न्यूज

आधा दर्जन चौराहों पर सक्रिय है ठक-ठक गैंग

इंदौर। शहर में पिछले कुछ सालों से ठक-ठक गैंग सक्रिय है। इस गैंग के टारगेट पर शहर के आधा दर्जन चौराहे हैं, जहां हर साल वारदातें होती हैं, लेकिन पुलिस इस गिरोह को नहीं पकड़ पाती है। कल फिर इस गैंग ने शहर में एक कार से मोबाइल उड़ा दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर गैंग की तलाश शुरू कर दी है। शहर में कुछ सालों से ठक-ठक गैंग के नाम से एक गिरोह सक्रिय है। इस गिरोह में दो से तीन लोग होते हैं। ये लोग चौराहे पर सिग्नल पर रुकने वाली कारों को निशाना बनाते हैं। एक व्यक्ति ड्राइवर साइड का कांच बजाता है और इस दौरान दूसरा व्यक्ति दूसरी तरफ से कार से लैपटॉप या मोबाइल उड़ा लेता है। जब तक कार चालक कुछ समझ पाता है वे फरार हो जाते हैं। कभी गाड़ी से दुर्घटना होने को लेकर भी कार चालक को रोक लेते हैं तो कभी भीख मांगने के बहाने।

गैंगस्टर हेमंत यादव फिर नहीं लगा पुलिस के हाथ

इंदौर। शराब ठेकेदार राजकुमार तिवारी की कनपटी पर पिस्टल अड़ाने और अपहरण के आरोपों के मामले में गैंगस्टर हेमंत यादव फिर पुलिस के हाथ नहीं लगा। इसके लिए इंदौर जूनी थाना पुलिस ने भारी तैयार की थी और जिला कोर्ट में केस लगाकर रिमांड मांगी थी, लेकिन पुलिस पिट गई। 12वें सत्र न्यायाधीश एका सोनी की कोर्ट में जूनी इंदौर पुलिस भारी पुलिस बल के साथ पहुंची कि यादव को रिमांड पर ले जाना है। ठेकेदार और फरियादी राजकुमार तिवारी ने भी अधिवक्ता खड़े किए। उधर गैंगस्टर हेमंत यादव के समर्थन में सौ से ज्यादा लोग कोर्ट पहुंच गए। गहमागहमी के दौरान गैंगस्टर ने आधा दर्जन वरिष्ठ अधिवक्ताओं की पैनल मैदान में उतार दी। इस दौरान यादव के अधिवक्ताओं ने पुलिस में दर्ज केस को झूठा बताते हुए कहा कि यादव और तिवारी के बीच में केवल लेन-देन का मामला है।

एमसीयू में इनोवेटिव पैकेज री-डिज़ाइन प्रतियोगिता

प्रयोगात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारते हैं : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी.

संवाददाता ● भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 'इनोवेटिव पैकेज री-डिज़ाइन प्रतियोगिता' का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया । न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने मौजूदा उत्पादों की पैकेजिंग को रचनात्मकता, मौलिकता, सौंदर्य अपील, ब्रांड प्रबंधन और शेल्फ इम्पैक्ट जैसे मानदंडों के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत किया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, विभागाध्यक्ष डॉ. पी. शशिकला एवं कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि "ऐसे प्रयोगात्मक कार्यक्रम छात्रों की प्रतिभा को निखारते हैं और उन्हें इंडस्ट्री के लिए तैयार करते हैं । "उन्होंने छात्रों और संकाय सदस्यों की सराहना करते हुए इस प्रयास को भविष्य के लिए प्रेरणादायक बताया और ऐसे आयोजनों पर गर्व जताया।विभागाध्यक्ष डॉ. पी.शशिकला ने छात्रों की मौलिक सोच की प्रशंसा की और भविष्य में इस तरह के रचनात्मक आयोजनों को और बढ़ावा देने की बात कही। कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने भी छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षा को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ना समय की मांग है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों की पैकेजिंग को नए तरीके से डिजाइन कर अपनी कल्पनाशीलता और व्यावसायिक समझ का परिचय दिया। प्रदर्शित डिजाइनों ने न केवल सौंदर्यात्मक दृष्टि से आकर्षण पैदा किया बल्कि उनमें बाज़ार की समझ और उपभोक्ता अनुकूल सोच भी स्पष्ट रूप से झलकी। आयोजन का संचालन मितेश शर्मा और अभिषेक पांडे ने किया। आयोजन में विभाग के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

समर वेकेशन में जाने वाले यात्रियों को वेटिंग से मिलेगी राहत

वेटिंग यात्रियों के लिए राहत भोपाल मंडल से समर स्पेशल ट्रेनें शुरू

संवाददाता ● भोपाल

सुविधा

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या और अतिरिक्त मांग को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न दिशाओं में साप्ताहिक एवं द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। ये ट्रेनें विशेष किराये पर चलाई जा रही हैं और भोपाल मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों जैसे रानी कमलापति, इटारसी, नर्मदापुरम, हरदा, बीना, रुठियाई एवं गुना आदि से होकर गुजरती हैं। इन विशेष ट्रेनों का उद्देश्य यात्रियों को गंतव्य तक आरामदायक और निर्बाध यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है। इन ट्रेनों के प्रमुख मार्ग एवं विवरण निम्नानुसार हैं।

रीवा-सीएसएमटी-रीवा साप्ताहिक विशेष ट्रेनः गाड़ी संख्या 02187 रीवा से प्रत्येक गुरुवार को 15:50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 12:20 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 02188 CSMT से प्रत्येक शुक्रवार को 13:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 09:45 बजे रीवा पहुँचेगी। यह ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी व हरदा स्टेशनों से होकर गुजरती है।इस गाड़ी के ठहरावः रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, मनमाड, नासिक रोड, कल्याण, दादर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस।

रीवा-चर्लपल्ली (सिकंदराबाद)-रीवा द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेनः गाड़ी संख्या 01704 रीवा से प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को 13:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 14:45 बजे चर्लपल्ली पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 01703 चर्लपल्ली से प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को 16:55 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 03:30 बजे रीवा पहुँचेगी। यह ट्रेन भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति और इटारसी स्टेशनों से होकर जाती है। इस गाड़ी के ठहरावः रीवा, सतना, मैहर, कटनी, दमोह,

सागर, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल, आमला, नागपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागज़नगर, बेलमपल्ली, मंचेरियल, पेद्दापल्ली, काज़ीपेट, जंगांव, चारलापल्ली।

रानी कमलापति-सहरसा-रानी कमलापति साप्ताहिक विशेष ट्रेन : गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति से प्रत्येक सोमवार को 16:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 15:15 बजे सहरसा पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 01664 सहरसा से प्रत्येक मंगलवार को 18:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 21:10 बजे रानी कमलापति पहुँचेगी। यह ट्रेन भोपाल मंडल के रानी कमलापति, नर्मदापुरम और इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरती है। इस गाड़ी के ठहरावः रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, मानसी, सहरसा।

रानी कमलापति-हड़पसर (पुणे)-रानी कमलापति साप्ताहिक विशेष ट्रेनः गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति से प्रत्येक गुरुवार को 08:35 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 00:30 बजे हड़पसर (पुणे) पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 01668 हड़पसर से प्रत्येक शुक्रवार को 06:30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 22:55 बजे रानी कमलापति पहुँचेगी। यह ट्रेन भोपाल मंडल के रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गुजरती है। इस गाड़ी के ठहरावः रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव, अहमदनगर, दौंड, हडपसर (पुणे)।

सोगरिया-दानापुर-सोगरिया साप्ताहिक विशेष ट्रेन : गाड़ी संख्या 09819 सोगरिया से प्रत्येक सोमवार को 12:45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 10:00 बजे दानापुर पहुँचेगी।गाड़ी संख्या 09820 दानापुर से प्रत्येक मंगलवार को 12:45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 11:00 बजे सोगरिया पहुँचेगी।यह ट्रेन भोपाल मंडल के रुठियाई और गुना स्टेशनों से होकर गुजरती है।

इस गाड़ी के ठहरावः सोगरिया, बारां, रूठियाई जंक्शन, गुना, सागर, दमोह, कटनी मूड़वारा, मैहर, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, विंध्याचल, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर। यात्रियों से अनुरोध है कि इन ट्रेनों की आरक्षण सुविधा का लाभ उठाने के लिए किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र या www.irctc.co.in वेबसाइट से ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। ट्रेनों के स्टेशनों पर ठहराव व समय सारिणी की जानकारी हेतु www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप का उपयोग किया जा सकता है।

भीषण गर्मी में... चारों ओर पानी-पानी...

तेज बारिश से कई जगह पानी भर गया। चिमनबाग मैदान और गांधी हाल परिसर में तो तालाब सा नजारा दिखाई दिया।

शॉट न्यूज

महाअष्टमी पर पंचमुखी हनुमान मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन

इंदौर। रामटेकरी सुपर कॉरिडोर स्थित सिद्ध प्राचीन पंचमुखी हनुमान मंदिर आश्रम पर महाअष्टमी पर्व पर गौ सेवक महिला मंडल द्वारा भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। गुरुदेव साकेतवासी महामंडलेश्वर लक्ष्मणदासजी के शिष्य महंत रघुनाथदास के सान्निध्य में संपन्न इस आयोजन में मां काली का विशेष अभिषेक, हवन तथा सौभाग्यवती कन्याओं का पूजन विधि-विधान से किया गया। विशेष बात यह रही कि हवन एवं अभिषेक में विभिन्न प्रकार के फलों और औषधीय वनस्पतियों का उपयोग किया गया, जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। पंचमुखी हनुमान जी एवं मां काली के समक्ष भक्ति भाव से समर्पित यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था और शांति का अनुभव बना। मुख्य यजमान के रूप में प्रीति शर्मा ने धार्मिक विधियों में भाग लिया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर पूजन और महाप्रसादी का लाभ प्राप्त किया।

मकान में लगी भीषण आग कंडे और भूसा जला

इंदौर। देर रात कैलोद करताल क्षेत्र में एक मकान में अचानक भीषण आग लग गई। मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंची तो पता चला कि मकान में कंडे और भूसा भरा था। आग पर काबू पा लिया गया। कोई जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड के सूत्रों के मुताबिक रात करीब एक बजे कैलोद करताल क्षेत्र में मकान में आग लगने की सूचना पर दमकल के साथ टीम को मौके पर भेजा गया। तेज हवा चलने के कारण आग फैलने लगी थी मगर टीम ने 25 हजार लीटर पानी की मदद से आग पर काबू पा लिया। जिस मकान में आग लगी थी वहां रहवासी परिवार नहीं रहता था बल्कि उसमें भूसा और कंडे भरे हुए थे। आग में कंडे और भूसा के साथ अन्य सामान भी जल गया। आग लगते ही ग्रामीण एकत्र हो गए थे और आग बुझाने में परिवार की मदद की। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

2 लाख के साढ़े 5 लाख लौटाने पर भी कर रहा था परेशान

इंदौर। देपालपुर इलाके में पुलिस ने एक सूदखोर के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी का केस दर्ज किया है। आरोप है कि फरियादी ने उससे 2 लाख रुपए उधार लिए थे और इसके बदले साढ़े 5 लाख लौटा दिए मगर आरोपी धमकाकर और पैसा मांग रहा था। देपालपुर पुलिस के मुताबिक फरियादी लोकेश उर्फ पप्पू पिता वासुदेव पारखे (50) निवासी अंबिकापुरी इंदौर की शिकायत पर आरोपी रवि पिता कैलाश चौहान निवासी देपालपुर के खिलाफ म.प्र. ऋण संरक्षण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी से उसने 1 जनवरी 2022 को ब्याज पर 2 लाख रुपए उधार लिए थे। मय ब्याज के उसने करीब 5,49,895 रुपए लौटा भी दिए। इसके बाद भी आरोपी ब्याज के और रुपए की मांग कर रहा है। विरोध करने पर गाली गलौज की और मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस का कहना है कि शिकायत में दस्तावेज आदि की जांचके बाद कल आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले में विवेचना और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

डिजिटल प्रशासन की ओर बढ़े कदम, कलेक्टर आशीष सिंह ने ली बैठक, लोगों को होगी समय की बचत

इंदौर जिले के सरकारी कार्यालयों में लागू हुई ई-ऑफिस व्यवस्था

संवाददाता ● इंदौर

डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर आशीष सिंह के मार्गदर्शन में सोमवार से जिले के शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू कर दी गई है। यह व्यवस्था लागू होने के बाद से समस्त फाइलों का संचालन डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाएगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि ई-ऑफिस के माध्यम से न केवल कामकाज में पारदर्शिता आएगी, बल्कि फाइलों के निपटारे की गति भी बढ़ेगी। अब किसी भी फाइल की स्थिति रियल टाइम में जानी जा सकेगी। इससे कार्यालयों में अनावश्यक देरी और कागजी कार्यवाही में लगने वाला समय भी बचेगा।

बैठक

ऐसी रहेगी ई-ऑफिस व्यवस्था

आज यहां कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर. पी. अहिरवार, एडीएम रोशन राय, अपर कलेक्टर निशा डामोर और राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि जिले में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करने के लिए बीते कुछ महीनों से तैयारी चल रही थी। अधिकारियों और कर्मचारियों को इसके संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। तकनीकी ढांचे को भी मजबूत किया गया है। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि अब सभी नवीन फाईलें ई-ऑफिस के माध्यम से ही प्रस्तुत की जाए। कोई भी फाईल ऑफलाईन प्रस्तुत नहीं करें। ऑफलाईन फाईल प्रस्तुत करना प्रशासनिक अनियमितता की श्रेणी में माना जाएगा और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर सिंह ने बताया कि सभी आवश्यक उपकरण, सॉफ्टवेयर और इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस कार्यालय अब डिजिटल कामकाज के लिए तैयार हैं। सभी कार्यालयों को ई-बोर्ड कर दिया गया है। सोमवार से शासकीय कार्यालयों में नयी फाईल ऑनलाईन ही बनेगी। ई-ऑफिस व्यवस्था के तहत पहले चरण में फाइलों की मूवमेंट, नोटशीट तैयार करना, स्वीकृति देना, पत्राचार प्रबंधन और दस्तावेजों का डिजिटल भंडारण जैसी सुविधाएं शुरु की गई हैं। आगे चलकर अन्य सेवाओं को भी ई-ऑफिस प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इसी तरह कलेक्टर सिंह ने बताया कि गंगवाल तथा सरवटे बस स्टैण्ड और राजकुमार ब्रिज के पास खड़ी होने वाली यात्री बसों के सुव्यवस्थित पार्किंग के लिए व्यवस्था की गई है। आज से ही निर्धारित स्थानों पर बसों को पार्क करना होगा।

अधिकारियों के विरूद्ध की जाएगी कार्रवाई

बैठक के दौरान कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों जैसे नामांतरण, बटवारा और सीमांकन के प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में निराकृत किया जाए। इस अवसर पर उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभागीय कार्यों के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का संतोषजनक और सकारात्मक निराकरण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान ही प्रशासन की साख है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि फ़ार्मर रजिस्ट्री से जुड़े प्रकरणों में भी गति लाई जाए। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि लंबित कार्यों का समयबद्ध समाधान हो। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी भी अधिकारी द्वारा लापरवाही या उदासीनता बरती जाती है, तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि पश्चिमी बायपास के अवार्ड की तैयारी पूरी हो गई है। इंदौर से उज्जैन तक के लिए बनने वाले नये रोड़ के संबंध में भी धारा 11 का प्रकाशन एक सप्ताह में हो जायेगा। उक्त दोनों कार्य होने से उक्त सड़कों का निर्माण शीघ्र प्रारंभ होगा।

रात 8 बजे से अंतिम चरण होगा शुरू

307 टन के जहरीले कचरे को 'भस्म' करने में लगेंगे 55 दिन

संवाददाता ● इंदौर

41 साल पहले भोपाल में गैस त्रासदी का जिम्मेदार यूनियन कार्बाइड के नामो निशान को खत्म करने का अंतिम चरण सोमवार से शुरू हुआ। भोपाल से लाए गए 307 टन कचरे को पीथमपुर में इंवायरो एनर्जी कंपनी के भस्मक संयत्र में सोमवार रात 8 बजे से जलाने की प्रक्रिया शुरु हुई। संयत्र में 270 किलो प्रति घंटे की दर से कचरे को 850 से 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान पर जलाया जाएगा। सोमवार सुबह 7.42 भस्मक संयत्र में ब्लैंक रन शुरु किया। संयत्र के प्रथम व द्वितीय दहन कक्ष में डीजल जलाकर चेंबर को गर्म कर 1100 से डिग्री तक तापमान पहुंचाया गया। यह प्रक्रिया 12 घंटे तक निरंतर चली। इसके बाद भस्मक संयंत्र परिसर में विधि-विधान से पूजन कर सोमवार रात 8 बजे कचरे व लाइम के 18-18 किलो पैकेट को भस्मक संयंत्र में डालने का कार्य शुरु हुआ है। हाईकोर्ट ने 72 दिन में कचरा नष्ट करने की प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगले 51 से 55 दिन में यह कचरा पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी से नौ मार्च के बीच 30 टन यूका के कचरे का ट्रायल रन के तहत नष्ट किया जा चुका है।

ऑटोमेटिक मशीन से तैयार हुए 18-18 किलो के पैकेट - इस बार संयंत्र में आटोमेटिक मिक्सिंग,वेइंग व पैकिंग मशीन के माध्यम से यूका के कचरे उसके साथ निर्धारित मात्रा में मिलाए गए लाइम के 18-18 किलो पैकेट बनाने वाली मशीन का उपयोग किया गया। यह पैकेट तैयार होकर सीधे संयंत्र के प्रथम दहन कक्ष में डाले गए।

मर्करी की मात्रा का होगा आकलन - संयंत्र की चिमनी में मर्करी एनालइजर लगाया गया है। ऐसे मे कचरा जलने के बाद जो धुंआ चिमनी से बाहर निकलेगा। उसमें मर्करी है या नहीं इसकी जानकारी एनालाइजर के माध्यम से रियल टाइम पर डिस्प्ले बोर्ड पर दिखाई देगी।

दो गांव के ग्रामीणों को मिलेंगी प्रदूषण का रियल टाइम स्तर - संयंत्र से लगे बजरंगपुरा व चिराखान गांव में एम्बिएंट एयर मानीटरिंग स्टेशन लगाए गए है। इसके साथ डिस्पले बोर्ड भी लगाए गए है। ऐसे में यहां के ग्रामीणों को रियल टाइम में उस क्षेत्र में प्रदूषण की मात्रा की जानकारी मिल सकेगी। पहले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मैन्युअली मानीटरिंग कर रहा था। तारापुरा में एम्बिएंट एयर मानीटरिंग स्टेशन पहले लगा है।

मास्टर प्लान की सड़कों के संबंध में बैठक

इंदौर। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में इंदौर शहर की मास्टर प्लान की सड़कों के संबंध में नेहरू पार्क स्थित स्मार्ट सिटी ऑफिस में बैठक ली गई। बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा कलेक्टर आशीष सिंह, निगमायुक्त शिवम वर्मा, इंदौर विकास प्राधिकरण सीईओ राम प्रकाश अहिरवार, स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री डीआर लोधी और अन्य उपस्थित थे। बैठक में इंदौर स्मार्ट सिटी डेवेलपमेंट लिमिटेड द्वारा कुटकुट पालन भूमि से होने वाली आय के माध्यम से प्रस्तावित परियोजनाओं के अंतर्गत इंदौर शहर की मास्टर प्लान की कुल छह प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इन सड़कों के निर्माण कार्यों में उत्पन्न होने वाली बाधक संरचनाओं, तकनीकी चुनौतियों तथा प्रशासनिक समन्वय की आवश्यकता पर विशेष रूप से चर्चा की गई। संबंधित सड़कों का विवरण निम्नानुसार है - एम.आर.-3 रोड पिपल्यापाला रीजनल पार्क से बायपास तक। एम.आर.-5 रोड इंदौर वायर फैक्ट्री से बड़ा बांगड़दा तक। एम.आर.-6 रोड महू नाका रोड से रिंग रोड (चंदन नगर के पास)।

बाइक सहित पकड़ाया शातिर वाहन चोर

संवाददाता ● इंदौर

विजय नगर पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी की बाइक और एक कार बरामद की है। आरोपी से अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ की जा रही हैं। थाना विजय नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी सुभाष पिता नारायण पाटीदार निवासी लक्ष्मी विहार बड़गोंदा को पकड़ा। इसके पास चोरी

की एक बाइक मिली। पुलिस ने आरोपी को कड़ी पूछताछ की तो उसने देवास से एक कार चुराना भी कबूल किया। पुलिस टीम ने उसकी निशानदेही पर देवास से चुराई गई कार भी बरामद कर ली हैं। इस आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी जिले के विभिन्न थानों पर चोरी के दर्जनभर अपराध दर्ज होना बताया जा रहा हैं। आरोपी ने बताया कि वह सूने इलाको में रैकी करने के बाद वाहन चोरी को अंजाम देता था।

मेडिकल कॉलेज डीन डॉ.घनघोरिया ने किया निरीक्षण

एमवाय अस्पताल में मरीजों की समस्याएं सुन किया निराकरण

संवाददाता ● इंदौर

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने एमवाय अस्पताल की ओपीडी में जांच केंद्र का निरीक्षण किया। डीन डॉ. घनघोरिया ने लाइन में खड़े मरीजों से हाथ जोड़कर उनकी परेशानियों के बारे पूछा और जांच एवं रिपोर्ट संबंधित समस्याएं सुनी। कई मरीजों की समस्याएं हाथों-हाथ संबंधित अधिकारी को निर्देश देकर निराकरण भी की। डीन डॉ. घनघोरिया ने जांच कक्ष भी देखा और नर्सिंग आफिसर से उनकी परेशानियों को भी समझा। किन चीज की कमी, आपूर्ति, क्या बेहतर कर सकते हैं, किन प्रक्रिया में कितना समय लगना सहित अन्य प्रकार की जानकारियां भी ली और निराकरण के निर्देश भी दिए। डीन डॉ. घनघोरिया ने जांच केंद्र के साथ बाहर बने रजिस्टर काउंटर का भी निरीक्षण किया और साफ-सफाई, मरीजों की लाइन शीघ्र कम करने, उनकी परेशानियों को समझने , समय की बचत सहित मरीजों को उचित समय में कार्य कर सही जगह पहुंचाने के दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण

मरीजों की बैठक व्यवस्था भी उचित प्रकार करने के निर्देश

डीन डॉ. घनघोरिया ने जांच में लगने वाली लाइनों के विषय मे उचित बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी व्यवस्था, उचित समय मे सही कार्य करने के दिश निर्देश दिए, जिससे मरीजों परेशान नही हो। साथ ही उनके समय की बचत भी हो। डीन डॉ. घनघोरिया ने कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाएं कि मरीज को यह नहीं लगे कि वह किसी सरकारी अस्पताल में आया है।

अमेरिका में कमाई करने की लागत कितनी होनी चाहिए?

डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले सैकड़ों प्रवासियों को डिपोर्ट करने के बाद से सोशल मीडिया में ह्यडंकी-माइग्रेशनह्न की खूब खबर ली जा रही है। डंकी प्रवासियों के बारे में आम तौर पर कहा जाता है कि वे भोले-भाले युवा हैं, जिन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक और अपराध-ग्रस्त इलाकों से होकर अमीर देशों की बेहद जोखिम भरी यात्रा के लिए झांसा देकर राजी कर लिया जाता है। इसके लिए एजेंट्स उनसे 40 से 60 लाख रुपए तक वसूलते हैं। यह अमेरिका के लिए एक सामान्य हवाई टिकट से 40 से 60 गुना अधिक रकम है। यकीनन, इतनी बड़ी राशि के निवेश के इससे बेहतर तरीके होने चाहिए। और इसके बावजूद जो हजारों प्रवासी डंकी-रूट चुनते हैं, वो ऐसा नहीं सोचते।

यदि वे सुरक्षित रूप से अमेरिका पहुंच जाने में सफल होते हैं और उन्हें डिपोर्ट नहीं किया जाता है (जो कि ट्रम्प के अमेरिका में बहुत मुश्किल है) तो गणित उनके पक्ष में भी काम करता है। मैंने पिछले सप्ताह इस बात को महसूस किया। बीते सप्ताह दो बार मुझे न्यूयॉर्क में ऐसे भारतीय प्रवासियों की टैक्सियों में यात्रा करने का मौका मिला, जिन्होंने खुद स्वीकार किया कि वे डंकी-रूट से अमेरिका आए थे। जब मैंने उन्हें नासमझ कहा तो वे चौंक गए। उलटे उन्होंने डंकी-माइग्रेशन के प्रति मेरी बेरुखी को कमअक्ली समझा। उन्हें नहीं लगता था कि उनके साथ फरेब हुआ है। उन्होंने इस तरीके से अमेरिका आने में हुए खर्च को इंवेस्टमेंट करार दिया।

अमेरिका में ढाई साल से रह रहे सतिंदर ने कहा कि उन्होंने इस अवधि में अपनी यात्रा की पूरी लागत को कवर करने के लिए बचत की है। अब वे उस येलो-कैब के मालिक हैं, जिसमें हम सवार थे। उनके पास एक टैक्सी मेडलियन भी है। यह एक हस्तांतरणीय परमिट होता है, जो कि न्यूयॉर्क सिटी में टैक्सी चलाने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि टैक्सी और मेडलियन खरीदने के लिए उनके परिवार और दोस्तों ने उनकी 200,000 डॉलर (लगभग 1.6 करोड़ रुपए) की

अमेरिका में ढाई साल से रह रहे सतिंदर ने कहा कि उन्होंने इस अवधि में अपनी यात्रा की पूरी लागत को कवर करने के लिए बचत की है। अब वे उस येलो-कैब के मालिक हैं, जिसमें हम सवार थे। उनके पास एक टैक्सी मेडलियन भी है। यह एक हस्तांतरणीय परमिट होता है, जो कि न्यूयॉर्क सिटी में टैक्सी चलाने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि टैक्सी और मेडलियन खरीदने के लिए उनके परिवार और दोस्तों ने उनकी 200,000 डॉलर (लगभग 1.6 करोड़ रुपए) की मदद की है।

मदद की है। अंत में उन्होंने बहुत विश्वास से कहा कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका में आप कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं तो आप कितनी दूर तक जा सकते हैं, इसकी कोई सीमा ही नहीं है।दूसरी टैक्सी के ड्राइवर- जिनका नाम कपिल देव था- की कहानी सतिंदर की तुलना में थोड़ी कम शानदार थी। लेकिन उन्हें भी यही लगता था कि उन्होंने एक सार्थक निवेश किया है और दो से तीन साल के भीतर वे अपनी यात्रा की लागत वसूलने में कामयाब हो जाएंगे। वे बहुत अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते थे। उनकी योजना अमेरिका में 5 साल तक काम करने, बहुत सारा पैसा कमाने और फिर भारत लौट जाने की है। जनवरी से अब तक अमेरिका से निकाले गए करीब 400 भारतीय नागरिकों के लिए अवैध प्रवास भले एक हादसा बन चुका हो, लेकिन हजारों अन्य के लिए ऐसा नहीं है। यह भावना बढ़ रही है- और शाहरुख खान की फिल्म ह्यडंकीह्न का भी इसमें कुछ हद तक योगदान है- कि डंकी-रूट का उपयोग करने वाले भारत के प्रति देशभक्त नहीं हैं।

फिल्म में शाहरुख द्वारा निभाया गया हार्डी का किरदार ब्रिटेन में रहने के प्रस्ताव को यह जताने के लिए अस्वीकार कर देता है कि वह एक सच्चा देशभक्त है। इस तर्क के मुताबिक उनके साथी प्रवासी- जिन्होंने विदेश में रहने का चयन किया था- देशभक्त नहीं थे। जबकि डंकी प्रवासियों के देशभक्त होने या न होने का कोई सवाल ही नहीं है। वे केवल उद्यमी युवा हैं और रोजी-रोटी की तलाश कर रहे होते हैं। वो माइग्रेशन का जो विकल्प चुनते हैं, वह बहुत जोखिम भरा होता है। हम नहीं जानते कि डंकी-रूट अपनाने वाले कितने भारतीय वास्तव में सफल हो पाते हैं। लेकिन हम यह जरूर जानते हैं कि देश में हजारों लोग इन प्रवासियों की सफलता से मंत्रमुग्ध हैं और इसी तरह का जोखिम उठाने के लिए तैयार हैं। डोनाल्ड ट्रम्प अवैध अप्रवासियों को अपराधी मानते हैं। वे उन्हें बेड़ियों में जकड़कर या तो अपने देश वापस भेज दे रहे हैं या अमेरिका, ग्वांतानामो या एल सल्वाडोर में ऐसी कुख्यात जेलों में कैद कर रहे हैं, जहां दुर्दांत अपराधियों को रखा जाता है।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

स्ट्रीमिंग की बदलती दुनिया में आप कहां खड़े हैं?

साल 2021 में एमिली ने अपनी नौकरी छोड़ दी। जो भी जरूरी सामान उसे चाहिए था, उसे पैक करके कार में रखा और अपने बॉयफ्रेंड को अलविदा कहकर घर से निकल गई। और 30 घंटे गाड़ी चलाने के बाद दूर एक छोटे-से अपार्टमेंट में शिफ्ट हो गई, ताकि ट्विच पर पूरा ध्यान दे सके, ये अमेजन का एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। एमिली अपना स्लीप मास्क हटाती हैं, आईलाइनर लगाती हैं, एनर्जी ड्रिंक खोलती हैं, ब्रेड टोस्ट करती हैं और चीज या अंडे के साथ नाश्ता करती हैं। फिर सोफे पर बैठकर सुबह की खबरें या कोई प्रोग्राम देखती हैं। इस दौरान 600 से ज्यादा लोग उन्हें अलग-अलग जगहों से देख रहे होते हैं और एक घंटे में 1100 से ज्यादा लोग उन्हें देखते हैं।

एडिट.नोट

उनके अपार्टमेंट में वॉशरूम ही एकमात्र ऐसी जगह है, जहां कैमरा नहीं है और जब वह वॉशरूम जाती हैं, तो तुरंत खामोशी छा जाती है, और फिर कोई दर्शक टाइप करता है, ह्लएमिली कहां हैं?ह्न कुछ मिनटों बाद वह वॉशरूम से बाहर आती हैं और कैमरा फिर उनके पीछे-पीछे लग जाता है। पिछले तीन सालों से वह बिना एक दिन का ब्रेक लिए अपने जीवन का खुद ही प्रसारण कर रही हैं। वह कैमरा लेकर ग्रॉसरी स्टोर, ट्रैफिक जंक्शन पर जाती हैं और अनवरत स्क्रीन से बात करती रहती हैं।हर ग्राहक जो उन्हें देख रहा है, वे इसके लिए 5.99 डॉलर चुका रहे हैं और इस प्लेटफॉर्म पर हर महीने औसतन 10 करोड़ से ज्यादा विजिटर्स हैं। 30-40% की कटौती के बाद एमिली जैसे सेल्फ ब्रॉडकास्टर को भुगतान किया जाता है।

एमिली ट्विच की प्रसिद्ध हस्ती हैं। उनके जैसे क्रिएटर्स, जिन्हें मैराथन स्ट्रीमर्स भी कहते हैं, वे इंटरनेट युग की नई खोज हैं और किसी के व्यक्तिगत जीवन का अलग ही स्तर पेश करते हैं, जहां इंटिमेसी भी है। अमेरिका में पांच में से एक किशोर इस प्लेटफॉर्म पर किसी न किसी को देख रहे हैं या फॉलो कर रहे हैं।

स्ट्रीमर को स्ट्रीमिंग कब शुरू या बंद करनी है, इसका कोई नियम नहीं है। वे अपनी रणनीति खुद तय करते हैं। एमिली जैसे लोगों का खुद के प्रति कमिटमेंट है, जिसने उन्हें नई इंटरनेट अर्थव्यवस्था में सफलता का मॉडल बना दिया है।22 हजार लोग उन्हें देखते हैं, कभी-कभी ये संख्या घटकर 6 हजार सब्सक्राइबर तक आ जाती है। एक अमेरिकी एनालिटिकल फर्म के अनुसार उनकी बेस इनकम कभी भी 5,000 डॉलर (4.21 लाख रुपए) प्रति माह से कम नहीं रही है।

हाल ही में पढ़ी ये स्टोरी सोमवार को मुझे तब याद आ गई, जब मुझे पता चला कि ग्लोबल स्ट्रीमिंग की अगली लहर में भारत पूरी ताकत झोंक रहा है। हमारे देश में भले ही मैराथन स्ट्रीमर्स न हों, लेकिन हमारे पास निश्चित रूप से मैराथन वॉचर्स हैं, जो आईपीएल मैच जैसी किसी भी चीज की लाइव स्ट्रीमिंग से अपनी नजरें नहीं हटाते।अगर ऐसा नहीं है, तो मुझे बताइए कि कैसे कंटेंट बनाने वाले कुछ प्लेटफॉर्म लाखों पेड सब्सक्राइबर्स अपने साथ जोड़ सकते हैं और साल 2024 में कई हजार करोड़ का टर्नओवर हासिल कर सकते हैं? कोविड के बाद, दुनियाभर में हर कोई अकेलेपन को दूर करने के लिए छोटे स्क्रीन पर शिफ्ट हो गया है। और हर प्लेटफॉर्म ने उस स्ट्रीमिंग मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है।

कास्ट और क्रू की हजारों नौकरियां सृजित हुई हैं और स्ट्रीमिंग मार्केट में भारतीय कंटेंट काफी बढ़ा है। एक प्लेटफॉर्म पर भारतीय कंटेंट को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों से तीन अरब घंटे व्यूज मिलते हैं, जो प्रति सप्ताह 6 करोड़ घंटे के बराबर है।समय आ गया है, हम समझें कि बदलती स्ट्रीमिंग दुनिया में हम कहां खड़े हैं- मैराथन स्ट्रीमर या मैराथन वॉचर। ये मत भूलें कि दोनों ही मामलों में हमारे समय का निवेश और व्यापार हो रहा है। इसलिए यह हमारे लिए, विशेष रूप से किशोर और युवाओं के लिए अपने हुनर को बेहतर करने और अपने लिए पैसा कमाने की योजना बनाने का समय है।

फंडा यह है कि जब स्ट्रीमिंग दुनिया अपना फ्ङक(रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट) गिन रही है; तब हमें भी स्मार्ट बनकर हिसाब लगाना होगा कि हमारा फ्ङळक (रिटर्न ऑन टाइम इन्वेस्टेड) क्या है। इसलिए स्मार्ट बनें।

आरती जेरथ - लेखक

जाति जनगणना की घोषणा के पीछे बड़ा सियासी गणित

बिहार में होने वाली चुनावी जंग ने जाति जनगणना की घोषणा के साथ एक दिलचस्प मोड़ ले लिया है। सरकार ने इस फैसले से एक तीर से दो निशाने साधे हैं। इसका स्पष्ट उद्देश्य तो विपक्षी दलों से उनका मुख्य चुनावी मुद्दा हड़प लेना है। कारण, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी- दोनों ही जाति जनगणना के लिए आवाज बुलंद करने में सबसे आगे रहे हैं। लेकिन एक और फैक्टर ऐसा भी है, जो ऊपर से नजर नहीं आता। यह है बिहार में नीतीश कुमार पर दशकों से चली आ रही निर्भरता से खुद को मुक्त करने और अपने किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने का भाजपा का संकल्प। जातिगत पुनर्मूल्यांकन की घोषणा भाजपा द्वारा नीतीश के निष्ठावान ईबीसी (अति पिछड़ी जातियां) वोटों में सेंध लगाने का साहसिक कदम है। ईबीसी राज्य की आबादी का लगभग 36% हैं। भाजपा इनकी मदद से बिहार में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना चाहती है।इसके बाद अब बिहार के चुनावों में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है, क्योंकि नीतीश के गिरते स्वास्थ्य की पृष्ठभूमि में ओबीसी-ईबीसी वोटों के लिए होड़ मची हुई है। सबसे वंचित गैर-दलित जातियों में से लगभग 113 ईबीसी-समूह नीतीश की राजनीति के केंद्रबिंदु रहे हैं। हालांकि नीतीश में लालू यादव जैसा करिश्मा नहीं था, लेकिन वे पिछले दो दशकों से चुनावी नतीजों को प्रभावित देने वाले चतुर जातिगत समीकरणों के चलते राजद को सफलतापूर्वक मात देते आ रहे थे। एनडीए के साथ रहते हुए उनके ईबीसी जनाधार और भाजपा को वोट देने वाली उच्च जातियों का संयोजन 2020 सहित तीन चुनावों में विजयी साबित हुआ। और जब नीतीश ने लालू की राजद के साथ हाथ मिलाया- जैसा कि उन्होंने 2015 के चुनावों में किया था- तो सामाजिक न्याय की ताकतों या ओबीसी-ईबीसी गठबंधन ने प्रतिद्वंद्वी को मात दे दी।

लेकिन खराब स्वास्थ्य के चलते रिटायरमेंट की अटकलों ने नीतीश को बड़ा झटका दिया है। माना जा रहा है कि उनसे उनका ईबीसी वोट बैंक छीना जा सकता है। इससे एक सियासी मंथन शुरू हो गया है। ऐतिहासिक रूप से, भाजपा और संघ ने जाति जनगणना के विचार का लगातार इस आधार पर विरोध किया है कि यह हिंदू समाज को बांटेगा और हिंदुत्व के सिद्धांतों का उल्लंघन करेगा, जो हिंदुओं के एकीकरण का प्रयास करता है। ऐसे में जातिगत जनगणना के फैसले को भाजपा के नाटकीय यू-टर्न के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि इस फैसले में संघ की रजामंदी भी शामिल है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि यह घोषणा संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक के बाद की गई। यहां इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि नीतीश के कद को कम करने की भाजपा की कोशिशें 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में भी स्पष्ट थीं, जब चिराग पासवान और उनकी लोजपा को जदयू प्रमुख के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाने और उनके वोट काटने के मकसद से चुनिंदा सीटों पर लड़ाया गया था।

इसके परिणामस्वरूप जदयू की सीटों में भारी गिरावट आई थी। 2015 में 71 से घटकर 2020 में यह 43 रह गई थी, जबकि भाजपा की सीटें 53 से बढ़कर 74 हो गई थीं। विडम्बना है कि गठबंधन में जदयू के जूनियर पार्टनर के रूप में उभरने के बावजूद भाजपा को नीतीश को मुख्यमंत्री बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उसे डर था कि कहीं नीतीश राजद के साथ जाकर सरकार न बना लें। अलबत्ता, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को झटका लगा। इसमें जदयू ने भाजपा के बराबर सीटें जीतीं। दोनों को 12-12 सीटें मिलने से साबित हुआ कि गिरते स्वास्थ्य और सत्ता-विरोधी लहर के बावजूद नीतीश ने ईबीसी वोटों को खींचने की अपनी क्षमता कायम रखी है।

जाति की राजनीति एक फिसलन भरी ढलान है, जैसा कि वीपी सिंह ने 1990 में अपनी अल्पमत की सरकार को बचाने के लिए मंडल-बम फोड़कर महसूस किया था। वे अपनी सरकार को तो फिर भी नहीं बचा पाए, लेकिन उत्तर भारत के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के लिए जरूर इतिहास में दर्ज हो गए। भाजपा अब जाति जनगणना कराने के अपने निर्णय के साथ एक अपरिचित क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। बिहार चुनाव मंडल 3.0 को नेविगेट करने की भाजपा की क्षमता का पहला परीक्षण होगा। दूसरी तरफ उसे राज्य की 15% उच्च जातियों पर भी अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखना है, क्योंकि सवर्णों को डर है कि अगर जाति जनगणना के आंकड़े अपनी कहानी खुद बयान करने लगे, तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान भी उन्हें ही उठाना पड़ेगा।

बिजनेस

तिमाही-नतीजों के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 11% गिरा : ब्याज आय 7% घटी, 5,047 करोड़ का मुनाफा

मुंबई। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के नतीजों के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर आज यानी, 6 मई को 11% गिरकर 222 रुपए पर बंद हुए। जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम यानी, ब्याज आय 7% घट गई है जिस कारण शेयरों में ये गिरावट आई है।

हालांकि, बैंक का नेट प्रॉफिट 3.2% बढ़कर 5,047.7 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी ने पिछले साल की मार्च तिमाही में 4,886.5 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। यह 4 जून 2024 के बाद बैंक के शेयरों में आई सबसे बड़ी गिरावट है। तब इसके शेयर 16% गिर गए थे। 8.35 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड देगा बैंकबैंक अपने शेयरधारकों को 8.35 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड यानी, लाभांश भी देगा। इसके लिए बैंक ने रिकॉर्ड/कट ऑफ डेट 06 जून 2025 तय की है। यानी 06 जून 2025 तक शेयर रखने वाले शेयरधारक डिवेडेंड पेमेंट के लिए पात्र होंगे।प्रोविजन्स से पहले ऑपरेटिंग प्रॉफिट 8,132 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही के 8,106 करोड़ रुपए से थोड़ा ज्यादा है।

टैक्स एक्सपेंसेज बढ़कर 1523 करोड़ रुपए हो गए हैं। पिछले साल की समान तिमाही में ये 1303 करोड़ रुपए रहे थे।प्रोविजन्स और कंटीजेंसीज एक साल पहले के 1,302 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,551 करोड़ रुपए हो गईं।पूरे साल में बैंक को 19,581 करोड़ रुपए का मुनाफावित्त वर्ष 2025 के पूरे साल के लिए, बैंक ऑफ बड़ौदा ने 19,581 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया। ये वित्त वर्ष 2024 में 17,788 करोड़ रुपए रहा था। पूरे साल की नेट इंटरेस्ट इनकम 44,368 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले ये 45,231 करोड़ रुपए रही थी।

क्या होता है स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड?कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक सेगमेंट या यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

वापस नहीं मिली राशि ठढअ हो जाती हैबैंक जो लोन या एडवांस देता है, अगर वह समय पर वापस नहीं मिलाता है तो उस राशि को बैंक ठढअ यानी नॉन-परफॉर्मिंग एसेट घोषित कर देता है। सामान्य तौर पर 90 दिनों तक रिटर्न नहीं मिलने की स्थिति में लोन या एडवांस अमाउंट को बैंक ठढअ की लिस्ट में डाल देता है। इसका मतलब यह की इस राशि से बैंक को फिलहाल कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

1908 में महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ककक ने बैंक बनाया था

बैंक की स्थापना 20 जुलाई 1908 को बड़ौदा के महाराजा, महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ककक ने गुजरात में की थी। भारत सरकार ने 19 जुलाई 1969 को इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया था। यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा सरकार बैंक है। इसका मुख्यालय वडोदरा है।2019 में विजया बैंक और देना बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय हो गया। इसकी 8,100+ शाखाएं, 25,000+ कस्टमर कॉन्टेक्ट पॉइंट (5,000+ शाखाएं, 6,250+ एटीएम), और 105 विदेशी शाखाएं है।

राज-काज

वित्त-मंत्री ने एशियन बैंक से पाकिस्तान की मदद रोकने कहा

नई दिल्ली। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय फंडिंग कम करवाने की रणनीति बना रहा है। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रमुख से मुलाकात की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्मला सीतारमण ने अऊइ के डायरेक्टर मसाटो कांडा से मुलाकात कर पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद घटाने की मांग की है। इसके साथ ही निर्मला ने इटली के वित्त मंत्री से मुलाकात जियानकार्लो जियोजेर्टी से मिलकर पाकिस्तान के फंड रोकने की बात की है। पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में भेजने की रणनीति बना रहा भारत पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में भेजने के लिए भारत यूरोपीय देशों के साथ मुलाकात कर रहा है। भारत का आरोप है कि पाकिस्तान को मिलने वाला पैसा आतंकवाद में इस्तेमाल हो रहा है।

सेंसेक्स 156 अंक गिरकर 80,641 पर बंद:निफ्टी 82 अंक लुढ़का, बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 11% गिरा

मुंबई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 6 मई को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 156 अंक गिरकर 80,641 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,380 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 गिरकर बंद हुए। जोमैटो का शेयर 3.08%, टाटा मोटर्स का 2.09%, रइक का 2.01%, अडाणी पोर्ट्स और ठळढउ का 1.96% नीचे बंद हुए। वहीं, महिंद्रा, एयरटेल, नेस्ले इंडिया, ल्वछ और टाटा स्टील के शेयर 2% तक चढ़कर बंद हुए।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 34 गिरकर बंद हुए हैं। ठरए के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा सरकारी बैंकों के इंडेक्स 4.84%, रियल्टी इंडेक्स 3.58%, ऑयल एंड गैस 1.79%, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.68% और मीडिया 1.51% गिरकर बंद हुए। वहीं, कमजोर तिमाही नतीजों के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 11% गिर गया।एथर एनर्जी का शेयर आज यानी 6 मई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (इरए) पर इश्यू प्राइस से 1.57% ऊपर 326.05 पर लिस्ट हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ठरए) पर शेयर इश्यू प्राइस से 2.18% ऊपर 328 पर लिस्ट हुआ। हालांकि, बाद में इसमें 5.5% की गिरावट रही और ये 304 रुपए पर बंद हुआ। एथर एनर्जी के क्ढड का इश्यू प्राइस 321 था। यह क्ढड रिटेल निवेशकों के लिए 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक बोली लगाने के लिए ओपन था, जो टोटल 1.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था।आज एशियाई बाजारों में कारोबार नहीं है, जापान का निक्केई बंद है। 2 मई को यह 378 अंक (1.04%) चढ़कर 36,830 पर बंद हुआ। कोरिया के कोस्पी में भी 3 अंक (0.12%) की तेजी रही, ये 2,560 पर बंद हुआ।

आज यानी 6 मई को हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 158 अंक (0.70%) चढ़कर 22,662.71 पर बंद हुआ। वहीं, चीन के शंघाई कंपोजिट में 37 अंक (1.13%) की तेजी रही, ये 3,316.11 पर बंद हुआ। 5 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 100 अंक (0.24%) गिरकर 41,219 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 134 अंक (0.74%) की गिरावट रही, जबकि, र&ढ 500 इंडेक्स 36 अंक (0.64%) चढ़कर बंद हुआ। भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों (त्रककक) की खरीदारी जारी है। कल यानी 5 मई को विदेशी निवेशकों ने 497.79 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 2,788.66 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। अप्रैल महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 2,735.02 करोड़ रुपए रही।

होंडा एलिवेट का नया एपेक्स समर एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी ए'ि५ं३ी (एलिवेट) का नया स्पेशल वर्जन अस्री७ र४ी१ एं३्रङ्मल्ल (एपेक्स समर एडिशन) लॉन्च कर दिया है। इस एडिशन की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत करीब साढ़े 12 लाख रुपये से कुछ कम रखी गई है। जो इसे इस कार के स्टैंडर्ड वर्जन से करीब 32,000 सस्ता बनाती है। खास बात ये है कि यह एडिशन श ट्रिम पर आधारित है। कंपनी ने अप्रैल की सेल्स रिपोर्ट में ही संकेत दिया था कि कुछ वेरिएंट्स की कीमतें घटाई जाएंगी।इस नए एडिशन में फीचर्स का अच्छा खासा तड़का लगाया गया है, जबकि कीमत कम रखी गई है। बाहर से देखने पर इसमें पियानो ब्लैक और क्रोम फिनिश, एपेक्स एडिशन का बैज, और साइड स्कर्ट्स मिलते हैं. जो इसे एक खास लक देते

हैं। अंदर की बात करें तो इसमें ब्लैक एंड वाइट ड्यूल-टोन इंटीरियर, नई लेदर जैसे फिनिश वाली सीट्स और डोर ट्रिम्स, सीट कुशन, सात रंगों वाली एम्बिएंट लाइटिंग, और 360 डिग्री कैमरा जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं।एपेक्स समर एडिशन में वही 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल और उश्ळ ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स विकल्पों में उपलब्ध है। यह वेरिएंट मुख्य रूप से ब्लैक कलर स्कीम में उपलब्ध रहेगा, जबकि प्लैटिनम व्हाइट पर्ल कलर भी मिलेगा। लेकिन इसके लिए आपको 8,000 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।अप्रैल 2025 में होंडा की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली थी। ऐसे में यह नया एडिशन बाजार में ग्राहकों की रुचि दोबारा जगाने और मई की बिक्री में सुधार लाने के मकसद से लाया गया है।

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) 3.0 के पूरक परिणाम जारी करने की मांग को लेकर पटना में बिहार के मुख्यमंत्री के आवास के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

मोहन कैबिनेट आज दे सकती है मंजूरी, नए जिलों में खुलेंगे खाद्य विभाग के ऑफिस

नजूल घोषित होगी पचमढ़ी की 450 हेक्टेयर जमीन

संवाददाता ● भोपाल

आज होने वाली डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की मीटिंग में पचमढ़ी शहर को अभयारण्य से बाहर करने पर मुहर लगाई जा सकती है। ऐसा होने पर पचमढ़ी की पौने चार सौ हेक्टेयर जमीन को नजूल के दायरे में लाया जाएगा। इसके बाद यहां जमीन की खरीद-फरोख्त हो सकेगी। इस फैसले के बाद पचमढ़ी अभयारण्य का नोटिफिकेशन फिर से होगा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से मप्र सरकार इस मामले पर कैबिनेट में प्रस्ताव पारित होने के बाद आगे की कार्यवाही करेगी। एमपी सरकार ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 18 (1) के अंतर्गत एक जून 1977 को पचमढ़ी अभयारण्य को अधिसूचित किया था। इस दौरान अभयारण्य में शामिल किए गए और बाहर किए जाने वाले क्षेत्र को सीमांकित नहीं किया गया था। इसके चलते यहां कोई गतिविधि सरकार खुद भी नहीं कर पा रही है।

फैसला

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद अब यहां की पौने चार सौ हेक्टेयर जमीन को नजूल भूमि घोषित किया जाएगा। वन विभाग ने इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव भेजा है। इसके बाद यह जमीन 'पचमढ़ी भूमि विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण' के स्वामित्व में आ जाएगी। यहां विकास कार्यों में तेजी लाने व जमीन की खरीदी-बिक्री का काम

किया जा सकेगा। अभी अभयारण्य होने के कारण सरकार यहां किसी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं दे पा रही है।

नए जिलों में खाद्य विभाग के कार्यालय खोले जाएंगे

आज दोपहर 12.30 बजे से होने वाली कैबिनेट बैठक में मऊगंज समेत तीनों नए जिलों में खाद्य विभाग के नए जिला कार्यालय खोलने का प्रस्ताव आएगा। खाद्य और नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण विभाग के नए कार्यालय खोलने के बाद यहां जिला आपूर्ति अधिकारी और सहायक आपूर्ति अधिकारी समेत खाद्य निरीक्षकों और लिपिकों के लिए नए पदों के सृजन को भी मंजूरी दी जाएगी।

शॉर्ट न्यूज

दुल्हन के इंतजार में बैठा था दूल्हा, तभी पहुंची पुलिस

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। यहां एक सीआरपीएफ का जवान दूल्हा बनकर दुल्हन के आने का इंतजार कर रहा था, लेकिन उससे पहले पुलिस पहुंच गई और उसे रेप केस में अरेस्ट कर लिया। थोड़ी देर बाद हाथों में मेंहदी सजाए दुल्हन पहुंची और मामले की जानकारी होने पर उसने भी दूल्हे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी है। घटना बालाघाट के लालबर्रा के लॉन में सोमवार दोपहर बाद की है। पुलिस के मुताबिक बालाघाट के लालबर्रा थाना क्षेत्र के बकोड़ा गांव में रहने वाले 30 वर्षीय शुभम राकड़े की तैनाती सीआरपीएफ में है। सोमवार को उसकी शादी छिंदवाड़ा की रहने वाली लड़की से होनी थी। इसके लिए लालबर्रा लॉन में जरूरी इंतजाम किए गए थे। सोमवार की शाम शादी की रस्म के लिए दुल्हन हाथों में मेंहदी सजाए परिजनों व रिश्तेदारों के साथ पहुंची तो पता चला कि शादी कैंसिल हो गई है।

कलेक्टर-एसपी 10 लाख तक की कार में ही चलेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में कलेक्टर-एसपी स्तर के अधिकारी 10 लाख रुपए से अधिक कीमत वाली गाड़ियों में सफर नहीं कर सकेंगे। कमिश्नर भी 12 लाख रुपए तक की पेट्रोल-डीजल और सीएनजी कारों का ही यूज करेंगे। दरअसल, वित्त विभाग ने नए वाहनों की खरीदी और वाहन बदलने को लेकर गाइडलाइन जारी की है। जिसमें अधिकारियों के वेतनमान के आधार पर गाड़ियों की अधिकतम कीमत का निर्धारण किया है। गाइडलाइन के मुताबिक उपसचिव और अपर सचिव स्तर के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अधिकारी अब तय सीमा से अधिक कीमत के वाहन का उपयोग नहीं कर सकेंगे। विभाग ने अखिल भारतीय सेवा के इन अफसरों का सातवें वेतन मान के आधार पर वेतन मैट्रिक्स तय कर गाड़ियों की कीमतें तय की हैं। ऐसे में इन अधिकारियों द्वारा उपयोग की जा रही लग्जरी गाड़ियों के उपयोग पर बैन की स्थिति बन सकती है।

मिलने बुलाकर किया नाबालिग छात्रा से रेप

ग्वालियर। ग्वालियर में दोस्त ने दोस्ती की कसम देकर नाबालिग छात्रा को मिलने के बहाने बुलाया और ढाबे पर ले जाकर दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद उसे घर के पास छोड़कर भाग गया। घटना जनकगंज में एक मई को एक ढाबा पर घटी। छात्रा की शिकायत पर जनकगंज पुलिस ने दोस्त के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। छात्रा की आरोपी से एक साल पहले दोस्ती हुई थी। जब दोस्ती अच्छी हो गई तो दोस्त का व्यवहार बदल गया। वह उससे प्यार-मोहब्बत की बातें करने लगा। जिस पर छात्रा ने चार महीने पहले उससे बातचीत बंद कर दी। फिर भी वह आए दिन उसकी गली के चक्कर काटने लगा। शहर के जनकगंज थाना क्षेत्र के गुप्तेश्वर कॉलोनी बाइपास निवासी 15 वर्षीय दसवीं की छात्रा ने अपने परिजन के साथ थाना पहुंचकर शिकायत की है कि एक साल पहले उसकी दोस्ती गुढ़ा-गुढ़ी का नाका निवासी रोहित पुत्र संजय कुशवाह से एक शादी समारोह के दौरान हुई थी। इसके बाद रोहित ने दोस्ती का प्रस्ताव दिया, जिसे छात्रा ने स्वीकार कर लिया।

बीएससी परीक्षा में पूछा गया प्रश्न

रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी ने गौड़ रानी की समाधि को बताया मकबरा!

संवाददाता ● जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की कारगुजारी की लिस्ट लगातार लंबी हो रही है। इसे गौड़ रानी के नाम पर विश्वविद्यालय का नामकरण किया गया था। उसी से इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है। गोंडवाना राज्य के लिए अकबर जैसे सम्राट की विशाल सेना से लोहा लेने वाली पराक्रमी रानी के बलिदान स्थल को विश्वविद्यालय प्रशासन मकबरा मानता है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा विगत तीन मई को बीएससी द्वितीय वर्ष के महिला सशक्तिकरण विषय की परीक्षा थी। प्रश्न पत्र के 42 नंबर प्रश्न में पूछा गया था कि रानी दुर्गावती का मकरबा कहा बना है? उत्तर में बरेला-जबलपुर, बम्हानी-जबलपुर, चारगुंवा-जबलपुर तथा डंडई- जबलपुर चार ऑप्शन दिये गये थे। रानी दुर्गावती ने अकबर की सेना से लड़ते हुए गौर बरेला के नरई नाला के समीप वीरगति प्राप्त की थी। उनकी वीरता के सम्मान में नरई नाला के समीप प्रशासन ने समाधि स्थल का निर्माण भी करवाया है। इसके बावजूद भी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रशासन द्वारा तैयार किये प्रश्न पत्र में समाधि स्थल के स्थान पर मकबरा शब्द का प्रयोग किया। इसका विरोध करते हुए एनएसयूआई के द्वारा विश्वविद्यालय में प्रदर्शन करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपनी गलती स्वीकार कर हुए खेद व्यक्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने बताया, जिसके द्वारा पेपर सेट किया गया है, उसे नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब पेश करने के लिए 24 घंटे का समय प्रदान किया गया है। नोटिस के जवाब के बाद कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा पेपर सेट होने के बाद उसे जिन-जिन जिम्मेदार अधिकारियों ने चेक किया, इस संबंध में जांच के निर्देश दिये गये हैं। जांच में दोषी पाये जाने वाले सभी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। पूर्व में रादुविवि प्रबंधन टाइम टेबल घोषित कर परीक्षा आयोजित करवाना ही भूल गया था। छात्र पेपर देने पहुंचे तो उन्हें इस बात की जानकारी मिली थी कि जिस विषय का प्रश्न-पत्र है, वह छपकर नहीं आया है।

सरकारी नौकरी करने वाली महिला ने प्रेमी के साथ मिल पति को मारा

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले से हैरान करने वाला का मामला सामने आया। यहां एक शादीशुदा महिला अपने ससुराल देवास से 1300 किलोमीटर दूर झारखंड में सरकारी नौकरी करती थी। वह कभी-कभार ही ससुराल आ पाती थी, लेकिन पति से मिलकर भी उदास रहने लगी। उसकी उदासी की वजह एक्सट्रा मैरिटल अफेयर था। पति ने इसका विरोध किया, तो पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर उसे रास्ते से हटा दिया। मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पूरे हत्याकांड से पर्दा उठ गया। 13 अक्टूबर साल 2024- देवास के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में विश्वास किरकेट्टा नाम के व्यक्ति को घायल अवस्था में उसकी पत्नी कांता किरकेट्टा ने इलाज के लिए भर्ती कराया था। महिला का आरोप था कि बीमा रोड के पास स्थित मैना श्री कॉलोनी में सुबह तकरीबन 8:00 बजे उसके घर पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने चोरी करने की नीयत से घर में प्रवेश किया। इसी दौरान उसके पति पर जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया था। महिला ने पुलिस को बताया था कि- उसके घर पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने चोरी करने की नीयत से घर में प्रवेश किया।

तेज आंधी में अनियंत्रित होकर पलटी कार सरपंच सहित 3 की मौत

पन्ना। मध्य प्रदेश में तेज आंधी-तूफान से तबाही मची हुई है। दरअसल, पन्ना जिले में तेज आंधी की वजह से दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में महिला सरपंच सहित 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि एक तेज रफ्तार कार जा रही थी। इसी दौरान तेज आंधी आ गई, जिसके चलते कार आनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में कार में सवार महिला सरपंच सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घटना में महिला सरपंच के पति सहित 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इन घायलों को आनन-फानन में एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय पन्ना भेजा गया, जहां इलाज जारी है। घटना के बाद इस इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, बृजपुर की महिला सरपंच सियारानी अहिरवार अपने पति रामदास अहिरवार (45 वर्ष) और परिवार के 7 लोगों के साथ कार से मणिपुर शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी, तभी हीरापुर के पास अचानक तेज आंधी की वजह से उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई।

गवाहों की कमी के कारण अभियोजन पड़ा कमजोर

दस वर्ष की सजा काटने के बाद हाईकोर्ट ने किया दोष मुक्त

संवाददाता ● जबलपुर

दस वर्ष के कारावास की सजा काटने के बाद हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या कर उसकी लाश को दफनाने के मामले में आरोपी पति को दोषमुक्त कर दिया है। हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस अनुराधा शुक्ला ने पाया कि पूरा मामला परिस्थिति जन्य साक्ष्यों पर आराधित है। एफएसएल रिपोर्ट के अनुसार, जब्त की गई कुल्हाड़ी में खून नहीं पाया गया था। महत्वपूर्ण गवाह अपने बयान से पलट गए थे। अपराध के लिए इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी पर खून का नहीं पाया जाना अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर करता है।

आदेश

सीधी निवासी श्यामलाल उर्फ पप्पू पांडे ने कुल्हाड़ी से गर्दन पर हमला कर पत्नी की हत्या करने तथा शव को घर में दफनाने के अपराध में ट्रायल कोर्ट ने सितंबर 2016 को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया था। अभियोजन के अनुसार, आरोपी ने 14 अक्टूबर 2015 की रात को वारदात को अंजाम दिया था। घटना के समय उसके माता-पिता और भाई-बहन रिश्तेदारी में आयोजित समारोह में शामिल होने गए थे। घटना के संबंध में आरोपी ने अपनी चाची को बताया था। चाची ने अपने बेटे को फोन पर घटना की जानकारी दी थी। चचेरे भाई ने घटना के संबंध में पुलिस को सूचित किया था। पुलिस ने 15 अक्तूबर 2015 को घर का दरवाजा खोलकर आंगन से शव को बरामद किया था। याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया था कि साक्षी बृजलाल लोधी ने ट्रायल कोर्ट में बताया था कि अपीलकर्ता एक अक्टूबर से 14 अक्तूबर तक उसके घर में काम कर रहा था। पुलिस ने 15 अक्टूबर को उसके घर से अपीलकर्ता को गिरफ्तार किया था। उसके द्वारा अपीलकर्ता को किये गये भुगतान की रजिस्टर भी पेश किया गया है। किसी भी गवाह ने अपने बयान में यह नहीं कहा है कि उसने मुझे घटना स्थल में देखा था। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि दूसरे दिन चचेरे भाई से चाबी लेकर घर का दरवाजा खोलकर आंगन में दफन लाश को पुलिस ने बाहर निकाला था। इसके अलावा भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा-27 के तहत लिये गये अपीलकर्ता के बयान तथा उसकी गिरफ्तारी में 23 घंटे का अंदर है। गिरफ्तारी पत्रक में उसकी गिरफ्तारी 16 अक्तूबर बताई गयी है। गिरफ्तारी पत्रक में एक स्थान पर उसे 15 अक्तूबर को गिरफ्तार करना बताया गया था। गिरफ्तारी पत्रक में कई स्थानों पर ओवर राइटिंग की गयी है, जिससे पता चलता है कि पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की तारीख के संबंध में हेराफेरी की है।

12वीं बोर्ड में भोपाल के 7 स्टूडेंट्स MP की मेरिट में

संवाददाता ● भोपाल

एमपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट मंगलवार को जारी किए गए। 12वीं में भोपाल के 7 छात्रों ने प्रदेश की मेरिट लिस्ट में जगह बनाई है। इसमें सुभाष एक्सीलेंस स्कूल के कॉमर्स संकाय के प्रांजल कुशवाहा ने प्रदेश में 5वीं रैंक हासिल की है। बता दें कि राजधानी के सरकारी स्कूलों के 77.38% स्टूडेंट्स पास हुए है, वहीं, प्राइवेट स्कूलों से 72.68% छात्रों ने सफलता हासिल की है।

भोपाल में इन स्टूडेंट्स ने किया टॉप

निखिल कुमार पांडे : सुभाष एक्सीलेंस स्कूल के छात्र हैं। उन्होंने ह्यूमैनिटीज (कला) विषय में भोपाल में पहला स्थान और प्रदेश स्तर पर 10वीं रैंक प्राप्त की है।

प्रांजल कुशवाहा : सुभाष एक्सीलेंस स्कूल से हैं। उन्होंने कॉमर्स ग्रुप में भोपाल में प्रथम स्थान और प्रदेश में 5वीं रैंक हासिल की है।

आफरीन मंसूरी : स्वर पब्लिक स्कूल की छात्रा हैं। उन्होंने कॉमर्स ग्रुप में भोपाल में दूसरा स्थान और प्रदेश में 22वीं रैंक प्राप्त की है।

ईवा जैन : डेफोडिल स्कूल की छात्रा हैं। उन्होंने बायोलॉजी ग्रुप में भोपाल में टॉप किया और प्रदेश स्तर पर 7वीं रैंक पाई।

कार्तिकेय नारे: सुभाष एक्सीलेंस स्कूल से हैं। उन्होंने बायोलॉजी ग्रुप में भोपाल में दूसरा स्थान और प्रदेश में 33वीं रैंक हासिल की।

देव्यांशु दुबे : वे भी सुभाष एक्सीलेंस स्कूल से हैं। उन्होंने बायोलॉजी ग्रुप में भोपाल में तीसरा स्थान और प्रदेश में 42वीं रैंक प्राप्त की।

हमें अपने पूर्वजों वाले अखंड भारत के लिए प्रार्थना करना चाहिए-इंद्रेश कुमार

सीएम बोले- हम पढ़ा क्या रहे हमें ही नहीं मालूम

संवाददाता ● भोपाल

आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सदस्य डॉ इंद्रेश कुमार ने कहा कि 1971 के पहले बांग्लादेश और बांग्लादेशी और 1947 के पहले पाकिस्तान और पाकिस्तानी नागरिक नहीं थे। हम सब हिन्दुस्तान के और हिन्दुस्तानी थे। हम जैसा हिन्दुस्तान थे उसमें सत्यवादी और नफरतवादी, हिंसक और कुटिल मानसिकता वाले नहीं थे। वह आईडेंटिटी हमें ईश्वर ने दी थी। वहीं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के पहले यह स्थिति रही है कि सिलेबस के आधार पर हम पढ़ा रहे हैं? हमें ही नहीं मालूम है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि क्या ऐसा भी हो सकता है कि हमें फिर ऐसा भारत देखने को मिल जाए। हम प्रार्थना कर सकते हैं क्योंकि इसमें तो कुछ जाना नहीं है। हमें वह भारत देखने को मिले जो हमारे पूर्वजों का था। हमें खंडित भारत नहीं अखंड भारत का सपना देखना चाहिए। दुनिया के किसी भी मुस्लिम देश का नागरिक मुसलमान और ईसाई देश का नागरिक ईसाई नहीं माना जाता है। लोग अपने यहां के लोगों को देश के नाम से पुकारते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंदर कुछ नए प्रवाह जन्म लेना चाहती हैं। दंगा मुक्त हिन्दुस्तान के लिए काम करने वाली सरकारों की जरूरत है।

सपना

जिस शिक्षा में संस्कार नहीं हो वह आदमी को अपराधी बना देती है

इंद्रेश ने कहा कि जिस शिक्षा में संस्कार नहीं वह आदमी को अपराधी बना देती है। जिस कमाई में सेवा और मदद नहीं वह आदमी को भ्रष्टाचारी बना देती है। शिक्षित आदमी भ्रष्टाचारी और अपराधी न हो, यही नरेंद्र मोदी सरकार की कोशिश है। शिक्षित आदमी भी समझदार और विश्वासी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में पास होने के लिए पढ़ने और श्रम करने की जरुरत नहीं होती है। कोशिश करनी है तो बेहतरीन काम करने की कीजिए। उन्होंने कहा कि विद्या विकारों से मुक्त करती है। आतंकवाद को लेकर उन्होंने कहा कि एक आतंकवादी के कृत्य से पूरा देश हिल जाता है। मौलिक रुप से कोई भी आदमी हिंसक, क्रोधी, आतंकवादी न बने ताकि देश सब प्रकार से विकारों से मुक्त रहे। उन्होंने कहा कि इसी की बदौलत दंगा, धर्मांतरण जैसे विकारों से मुक्त हिन्दुस्तान की जरुरत है। उन्होंने कहा कि राम और रावण दोनों चार वेद के ज्ञानी थे। दोनों शक्तिशाली सम्राट और शिव के उपासक थे। केवल एक अंतर था, एक हर साल पूजा जाता है और गाली पाता है और एक युगों से पूजा जाता है। राम की सत्ता विकसित भारत का माडल बन गई वहीं रावण की सत्ता विनाशी हो गई। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में नीति आयोग की ओर से आयोजित संवाद श्रृंखला 2025 के कार्यक्रम में आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सदस्य डॉ इंद्रेश कुमार ने कहा कि हम अपने पूर्वजों के भारत को देखने की कल्पना कर सकते हैं।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 07 मई, 2025
www.adityabharat.com

मेट गाला 2025 : ड कार्पेट पर डेब्यू कर शाहरुख ने रचा इतिहास

कियारा बेबी बंप के साथ पहुंचने वाली पहली इंडियन एक्ट्रेस, दिलजीत दोसांझ का महाराजा अवतार

मेट गाला का आगाज हो चुका है, जिसे फैशन का ऑस्कर कहा जाता है। न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में हर साल मई के पहले मंडे यानी सोमवार को फैशन की दुनिया के सबसे बड़े इवेंट का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-दुनिया की तमाम बड़ी-बड़ी हस्तियां पहुंचती हैं और अपने स्टाइलिश लुक फ्लॉन्ट करती हैं। भारतीय समयानुसार ये इवेंट 6 मई को सुबह 3.30 पर शुरु हुआ। इस बार के मेट गाला पर भारतीय खास तौर पर नजर बनाए हुए थे, जिसकी सबसे बड़ी वजह थे बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान। इस साल मेट गाला भारतीय सिनेमा और फैशन के लिए खास है। इस बार बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान से लेकर देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा, सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ, ईशा अंबानी और प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी इस फैशन उत्सव हिस्सा बने हैं। तो चलिए नजर डालते हैं मेट गाला 2025 में भारतीय सेलेब्स के लुक पर।

मेट गाला 2025 में रानी बनकर पहुंचीं ईशा अंबानी

पहना मां का 136 कैरेट हीरे का हार कीमत जान उड़ जाएंगे होश

मेट गाला का आगाज हो चुका है। बीते दिन यूयॉर्क में देश-विदेश से आए सितारों से शाम सजी थी। बता दें कि यह इवेंट न्यूयॉर्क के मेट्रोरपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में रखा गया था। हर साल इसी जगह पर यह कार्यक्रम आयोजित होता है। इस खास मौके पर कई भारतीय कालकारों ने भी अपने फैशन और लुक्स से लोगों का दिल जीता, लेकिन इस मौके पर नामी बिजनेसमैन की बेटी ईशा अंबानी भी नजर आईं। ईशा अंबानी ने तो अपने डिजाइनर आउटफिट से मेट गाला में चार चांद लगा दिए। देखते ही रह जाएंगे ईशा अंबानी का मेट गाला का लुक बता दें कि ईशा अंबानी ने इस बार अनामिका खन्ना द्वारा डिजाइन किया हुआ आउटफिट पहना था। जो कि थीम 'Tailored For U' पर आधारित था। बता दें कि ईशा अंबानी इस आउटफिट में एक दम रानी की तरह दिख रही थीं, लेकिन उनके इस आउटफिट पर चार चांद तो उनके गहने लगा रहे थे। बता दें कि ईशा अंबानी ने जो गहने पहने थे वह नकली नहीं बल्कि असली गहने थे। ईशा अंबानी ने मेट गाला 2025 में अपनी मां के हीरे के गहने पहने थे। ईशा बताती हैं कि नेकलेस जो उन्होंने पहना है वह उनकी मां का है। उन्होंने उंगली में जो अंगूठी है वह भी उनकी मां की है और कमर में लटक रहा चाबी का गुच्छा भी उनकी मां का है। ईशा यह बताते हुए बेहद खुश हो रही हैं कि यह गहने उनकी मां के हैं। बता दें कि नीता अंबानी के इन गहनों की कीमत कम नहीं है ईशा ने जो नेकलेस पहना है वह 136 कैरेट का है। जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। नीता अंबानी कई मौकों पर इन गहनों को कैरी की हुई नजर आती हैं। वहीं ईशा अंबानी की ड्रेस की बात करें तो ईशा की इस ड्रेस को बनने में 20 हजार घंटे से ज्यादा का समय लगा था। ईशा के आउटफिट के साथ ही उनके गहने भी खास सुर्खियां बटोर रहे हैं।

ऐश्वर्या राय को कॉपी कर रही कियारा आडवाणी

बार-बार पकड़ती रही इतना बड़ा बेबी बंप, बनी हुक्म का इक्का

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने इस साल मेट गाला 2025 में अपना शानदार डेब्यू कर लिया है। कियारा ने प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के बाद पहली बार अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है। कियारा के बेबी बंप के लिए फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे जिसे फ्लॉन्ट करने के लिए कियारा ने मेट गाला इंटरनेशनस प्लेटफॉर्म को चुना। इसके साछ ही मेट गाला में बेबी बंप यप्लॉन्ट करने वाली कियारा पहली इंडियन एक्ट्रेस बन गई हैं। कियारा ने पहले भी तमाम हीरोइनों ने मेट गाला में बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है लेकिन उनसे में कोई भी भारत से नही रही। मॉम टू बी कियारा आडवाणी बेशक ही मेट गाला 2025 के लिए बॉलीवुड से हुकुम का इक्का थीं। गोल्डन कॉर्सेट, ब्लैक गाउन के साथ ट्रेल लुक में बार्बी डॉल बनीं कियारा का ग्लो ही कुछ और था। न केवल ड्रेस बल्कि कियारा का मेकअप, ज्वेलरी स्टाइल भी ऑन पाइंट था।

वहीं सबसे ज्यादा चर्चे मामा आडवाणी के प्रेगनेंसी ग्लो की हुई। ब्लैक, व्हाइट और गोल्डन कलर के रॉयल गाउन में जब कियारा ने रेड कार्पेट पर कदम रखा, तो हर कैमरा उन्हीं पर टिक गया। उनकी इस ड्रेस को नाम दिया गया था 'ब्रेवहार्ट्स'-जो महिलाओं की शक्ति, मातृत्व और बदलाव के नए चरण का प्रतीक था। इस लुक को और खास बनाता है ड्रेस का वो डिजाइन, जिसमें एक सोने की चेस्ट पर दो दिलों की आकृति थी-एक मां का दिल और दूसरा होने वाले बच्चे का। दोनों को जोड़ती एक चेन जैसे गर्भनाल का रूप ले रही थी। इस दिल छू लेने वाले प्रतीक ने हर किसी का ध्यान खींचा। हालांकि कियारा के इस लुक को ऐश्वर्य राय बच्चन के कान्स लुक से इंप्रेस बताया जा रहा है। हालंकि अंतर सिर्फ गोल्डन वर्क का है। कियारा का

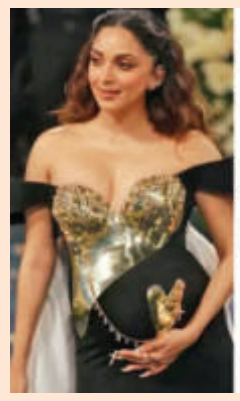

हेयरस्टाइल भी काफी हद तक ऐश्वर्या राय जैसा है। एक पल को कियारा को देखते ही ऐशवर्या राय का कान्स लुक आखों के सामने आ जाता है। कियारा के इस लुक की डिजाइनिंग की जिम्मेदारी उनके स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया और फैशन डिजाइनर गौरव गुप्ता ने मिलकर उठाई थी। ये जोड़ी पहले भी कई अभिनेत्रियों के लिए एक्सपेरिमेंटल लुक्स तैयार कर चुकी है, लेकिन कियारा के इस लुक ने सारी सीमाएं तोड़ दीं। कियारा ने बताया कि उनका ये ड्रेस सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं बल्कि उनके निजी जीवन में चल रहे बदलाव का प्रतीक है। इवेंट के दौरान जब कियारा से इस खास लुक को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने भावुक होते हुए कहा, 'एक कलाकार और एक मां बनने जा रही महिला के तौर पर, ये पल मेरे जीवन के सबसे खूबसूरत लम्हों में से एक है। मेट गाला जैसे मंच पर इस खास फेज को दर्शाना मेरे लिए गर्व की बात है।'

प्रियंका के लुक ने भी किया इंप्रेस

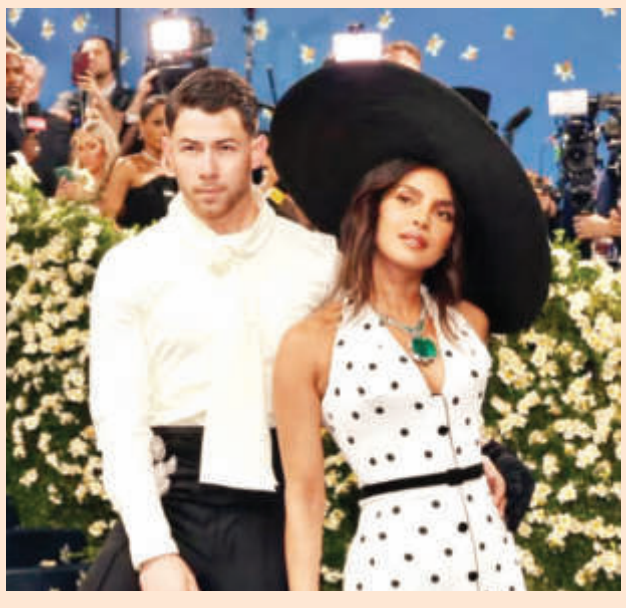

प्रियंका चोपड़ा ने हर बार अपने मेट गाला लुक से फैंस को हैरान किया और इस बार भी ऐसा करेन में कामयाब रहीं। प्रियंका ने अपने पति और सिंगर निक जोनास के साथ मेट गाला 2025 में एंट्री ली और प्रतिष्ठित फैशन इवेंट में पांचवी बार उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने बालमैन के ओलिवियर रूस्टिंग द्वारा तैयार पोल्का डॉट को-ऑर्ड सेट चुना था और गले में बड़ा सा पेंडेंट पहना था, जो उनके लुक को निखार रहा था।

नताशा पूनावाला का दिखा अलग अंदाज

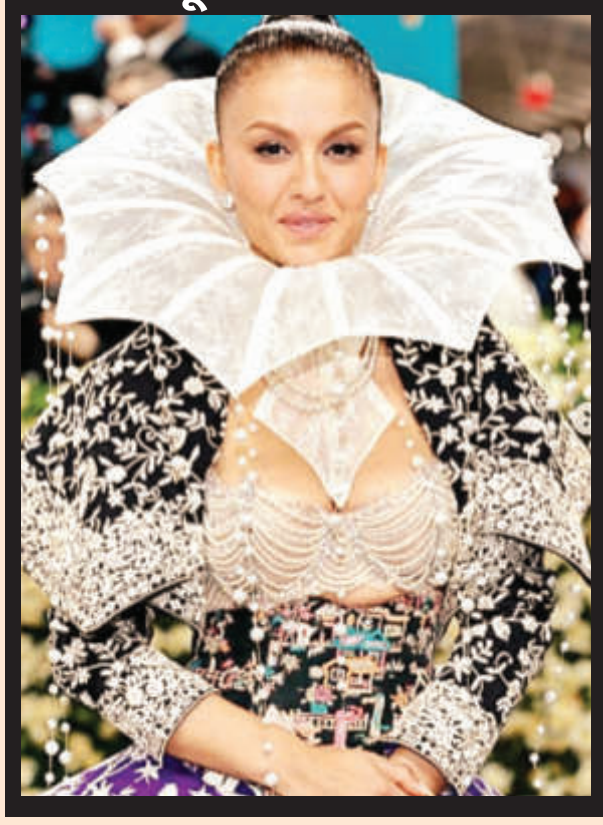

नताशा पूनावाला हर बार अपने लुक से फैंस को इंप्रेस करने में कामयाब रही हैं और एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वह रिस्क लेने से नहीं डरतीं। उन्होंने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन पारसी परंपरा से प्रेरित गाउन चुना था, जिस पर दुर्लभ गारा कढ़ाई देखने को मिली। चर्चित डिजाइनर ने उन्हें भारती फैशन की क्वीन कहते हुए उनके लुक को पेश किया।

महाराजा स्टाइल में दिलजीत छाए

दिलजीत दोसांझ ने मेट गाला 2025 में अपनी पहली धमाकेदार एंट्री की और अपनी पंजाबी संस्कृति को पूरी शान से दुनिया के सामने पेश किया। मशहूर डिजाइनर प्रबल गुरुंग द्वारा बनाए गए 'महाराजा लुक' में गायक-अभिनेता ऑफ-व्हाइट अचकन, पायजामा और पगड़ी में नजर आए, जिस पर पंजाब का नक्शा, खास प्रतीक और गुरुमुखी में लिखे शब्द थे। स्टाइलिस्ट अभिलाषा देवनानी ने कई नेकलेस, पगड़ी के आभूषण और तलवार के साथ उनके लुक को पूरा किया। इस लुक ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया।

मेट गाला में शाहरुख खान की हुई फजीहत

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने मेट गाला 2025 में डेब्यू कर इतिहास रच दिया है। वो मेट गाला में पहुंचने वाले पहले इंडियन मेल एक्टर हैं। शाहरुख का लुक भी चर्चा है, हालांकि फैंस इस बात पर भड़क गए हैं कि इंटरनेशनल मीडिया ने रेड कार्पेट में शाहरुख को पहचानने से इनकार कर दिया। ऐसे में शाहरुख खान को अपना नाम बताकर परिचय देना पड़ा। ये अपने आप में बेहद शॉकिंग है, क्योंकि शाहरुख खान भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के चौथे सबसे अमीर एक्टर हैं। उनका नाम हर साल सबसे दुनिया के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में शामिल होता है।

शाहिद कपूर से शादी के बाद मीरा राजपूत ने डिलीट किया था फेसबुक अकाउंट

शाहिद कपूर की वाइफ मीरा का बैकग्राउंड फिल्मी नहीं है। हालांकि अब वह बॉलीवुड वाइफ बन चुकी हैं। एक पॉडकास्ट के दौरान मीरा ने बताया कि शादी की शुरुआत में उन्हें किस तरह के चैलेंजेज का सामना करना पड़ा था। मीरा को अचानक लाइमलाइट मिलने लगा। फेसबुक फ्रेंड रिक्वेस्ट्स से भर गया तो वह डर गई थीं। उन्होंने अपना फेसबुक ही डिलीट कर दिया था। मीरा राजपूत मोमेंट्स ऑफ साइलेंस पॉडकास्ट में थीं। उन्होंने बताया कि शादी के वक्त वह महज 20 साल की थीं। अचानक इतनी लाइमलाइट मिलने लगी। मीरा ने बताया कि शादी के बाद उन्होंने सबसे पहले क्या किया। वह बताती हैं, 'मेरे पास अचानक से 3000 फ्रेंड रिक्वेस्ट गईं। उस वक्त 3000 ऐसा लग रहा था कि पूरी दुनिया है। मैं डर गई कि कोई मेरा अकाउंट न हैक कर ले और मेरी तब की फोटोज देख ले जब मैं 15 साल की थी या किसी पार्टी में थी और मेरे कपड़ों से मुझे जज करे।' मीरा कपूर ने यह भी बताया कि वह दिल्ली की लड़की से बॉलीवुड एक्टर की वाइफ बन गईं। उनके लिए अडजस्ट करना आसान नहीं था। उन्हें शहर बदलना था और एक पब्लिक फिगर की बीवी वाली जिंदगी जीनी थी। मीरा ने बताया कि लोगों को भले ही उनकी जिंदगी परीकथा जैसी लगती हो लेकिन वह अकेली हो गई थीं। उन्हें अपने दोस्तों को देखकर लगता था कि काश वह भी वो सब कर पातीं जो उनके दोस्त कर रहे हैं।

'उसने मेरी पैंट के अंदर हाथ डाला और...'

स्कूल यूनीफॉर्म में मॉलेस्ट हुई ये हसीना, बुरी तरह तड़पी

टी वी एक्ट्रेस गौतमी कपूर ने हाल ही में अपनी लाइफ के एक बेहद बुरे एक्सपीरियंस से पर्चा हटाया है। गौतमी कपूर ने बताया कि कैसे वो कई साल पहले मॉलेस्टेशन का शिकार हुई थी। Hautterfly के साथ बातचीत में गौतमी कपूर से पूछा गया कि मुंबई शहर के तौर पर कितना सुरक्षित है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका मानना है कि मुंबई काफी सुरक्षित है और इस शहर ने उन्हें सब कुछ दिया है। गौतमी ने यह भी बताया कि अपने कॉलेज के दिनों में वह बस से सफर करती थीं। दरअसल, वह पांच साल की उम्र से ही बस से ट्रैवल कर रही थीं, क्योंकि उनके परिवार के पास कोई गाड़ी नहीं था। इंटरव्यू के दौरान गौतमी से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी कोई अप्रिय घटना का सामना किया है, तो उन्होंने बताया, 'यह तब हुआ जब मैं छठी क्लास में थी। एक आदमी ने पीछे से मेरी पैंट के अंदर हाथ डाल दिया था। मैं बहुत छोटी थी, इसलिए मुझे समझने में कुछ समय लगा कि क्या हो रहा है। मैं बहुत डर गई थी और तुरंत बस से उतर गई।

पूरी सिचुएशन को समझने में मुझे 15-20 मिनट लगे। मैं यही सोचती रही कि क्या वह आदमी मेरा पीछा कर रहा है।' गौतमी ने बताया कि जब यह घटना हुई, तब वह अपने स्कूल की यूनिफॉर्म में थी। उन्होंने कहा, 'जब मैं घर पहुंची तो अपनी मां को इस बारे में बताने से बहुत डर रही थी। मुझे लगा कि वह मुझे डांटेंगी। जब मैंने उन्हें बताया तो उन्होंने कहा कि क्या तुम पागल हो? तुम्हें मुड़कर उसे थप्पड़ मारना चाहिए था या उसका कॉलर पकड़ लेना चाहिए था। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर कोई ऐसा कुछ करे, तो उसका हाथ कसकर पकड़ लो, जोर से चिल्लाओ और कभी घबराओ मत। अगर तुम्हें डर लगे, तो अपने पास पेपर स्प्रे रखो और उसे उनके चेहरे पर छिड़क दो या फिर अपना जूता उतारकर मारो। तुम्हें कुछ नहीं होगा। बिल्कुल भी नहीं डरना चाहिए।' वर्क फ्रंट की बात करें तो गौतमी कपूर पिछली बार 'ग्यारह ग्यारह' सीरीज में नजर आई थीं, जो कोरियाई ड्रामा 'सिग्नल' का एक अडैप्टेशन है। इस थ्रिलर सीरीज में कृतिका कामरा, राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी लीड किरदारों में दिखे। सीरीज को क्रिटिक्स से अच्छे रिव्यूज मिले। 'ग्यारह ग्यारह' सीरीज को आप जी5 पर देख सकते हैं।

मां-बेटे की जोड़ी का खूनी खेल, गार्डन के नीचे लाशों का ढेर

मिस्ट्री-थ्रिलर सीरीज का शौक रखने वालों के लिए सही शो का चुनाव करना किसी मिशन से कम नहीं होता है। आज जिस शो के बारे में हम आपको बताने वाले हैं उसे देखने के बाद आप रुक नहीं पाएंगे। 11 अप्रैल 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई यह स्पैनिश मिनी-सीरीज अपनी अनोखी कहानी और सस्पेंस के लिए सुर्खियों में छाई हुई है। स्टारर इस सीरीज ने दर्शकों को अपनी सीट से बांधकर रखा है। यह मां-बेटे की जोड़ी की कहानी है, जो फूलों के गार्डन की आड़ में खतरनाक साजिश रचती है। सीरीज का नाम है 'द गार्डनर' जिसकी शुरुआत समंदर किनारे एक रहस्यमयी हत्या से होती है। मरने वाले शख्स की लाश गायब हो जाती है, और पुलिस इसे समंदर में डूबने का हादसा मान लेती है। लेकिन जल्द ही चौंकाने वाला खुलासा होता है। एल्मर अपने फूलों के गार्डन में उसी शख्स की लाश दफनाता है। पता चलता है कि वह और उसकी मां चीना कॉन्ट्रैक्ट किलिंग का धंधा चलाते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद बाहर, शीर्ष दो में जगह बना सकती है दिल्ली कैपिटल्स की टीम

एजेंसी ● नई दिल्ली

सनराइजर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। वहीं, दिल्ली की टीम के पास अब भी शीर्ष दो में जगह बनाने का मौका है। मुंबई और गुजरात के बीच होने वाला मैच भी काफी महत्वपूर्ण है।आईपीएल 2025 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला बारिश से धुल गया। इस मैच से पहले तक सनराइजर्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें एक धागे से लटकी हुई थीं। टीम को बाकी बचे चार मैचों में जीत हासिल करनी ही थी, लेकिन सोमवार को बारिश ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। अच्छी गेंदबाजी कर दिल्ली को कम स्कोर पर रोकने के बाद सनराइजर्स की टीम उम्मीद कर रही थी कि वह जल्द मैच खत्म करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। बारिश के कारण दूसरी पारी का खेल नहीं हो सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक बांटने पड़े।

इसी के साथ सनराइजर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। वहीं, दिल्ली की टीम के पास अब भी शीर्ष दो में जगह बनाने का मौका है। सोमवार को टीम की खराब बल्लेबाजी को बारिश ने बचा लिया और एक महत्वपूर्ण अंक उन्हें मिला। इस नतीजे के साथ अब लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। उन्हें बाकी बचे तीनों मैच में जीत दर्ज करनी ही होगी। एक भी हार उन्हें प्लेऑफ की रेस से बाहर कर देगी, क्योंकि अब 14 अंक क्वालिफिकेशन के लिए काफी नहीं होगा। छह टीमों के पास 16 या उससे ऊपर अंक अर्जित करने का मौका है।दिल्ली के तीन मैच बाकी हैं। उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ उसके घर में खेलना है, फिर गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने घर में खेलना है। इसके बाद टीम मुंबई इंडियंस का उनके घर में सामना करेगी। तीनों ही मैच मुश्किल हैं, क्योंकि ये तीनों टीमें अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर काबिज हैं। वहीं, दिल्ली की टीम 11 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है।

उसके 13 अंक हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। यह मानते हुए कि आगे किसी भी मैच में बारिश खलल नहीं डालेगी, दिल्ली कैपिटल्स के पास अब लीग को 13, 15, 17 या 19 अंकों पर समाप्त करने का मौका है।

अगर दिल्ली की टीम 13 अंक हासिल करती है, यानी लगातार तीनों मैच हारती है, तो टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। एक जीत से टीम की उम्मीदें कायम रहेंगी। अगर दिल्ली की टीम 19 अंक हासिल करती है, यानी बाकी बचे तीनों मैच जीतती है तो टीम शीर्ष-दो में भी अपना स्थान पक्का कर सकती है। इस स्थिति में वह मुंबई से आगे ही रहेंगे और पंजाब के साथ उनके अंक समान रह सकते हैं। फिर नेट रन रेट मायने रखेगा। हालांकि, टीम को शीर्ष दो में जगह बनाने में तब कोई कठिनाई नहीं आएगी, अगर बेंगलुरु की टीम अपने बाकी बचे तीन में से दो मैच और गुजरात की टीम अपने बाकी बचे चार मैचों में से एक मैच हार जाती है। दिल्ली का अगला मुकाबला पंजाब से ही है और यह मैच डीसी के लिए जीतना बेहद जरूरी है। अगर दिल्ली का सफर 15 अंकों के साथ समाप्त होता है, तो यह टीम चाहेगी कि मुंबई इंडियंस गुजरात और पंजाब दोनों को हरा दे। संयोग से दिल्ली के भी अगले दो प्रतिद्वंद्वी यही दो टीमें हैं। इसके साथ ही दिल्ली यह भी मनाएगा कि कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स एक-एक मैच हार जाएं। यदि दिल्ली की टीम दो मैच जीतने में कामयाब रहती है और 17 अंकों के साथ समाप्त करती है, तो केकेआर और पंजाब के साथ उनके अंक समान रह सकते हैं और टाई हो सकता है। इस स्थिति में आरसीबी, मुंबई और गुजरात में से कोई दो टीमें 18-18 अंक हासिल करेंगी और शीर्ष स्थान हासिल करने की दावेदार होंगी। ऐसे में केकेआर, पंजाब और दिल्ली के बीच नेट रन-रेट में चौथी टीम का फैसला होगा।यदि गुजरात अपने बाकी बचे चारों मैच जीतता है, तो उनका शीर्ष दो में जगह बनाना तय है। इस मामले में केवल आरसीबी ही 22 अंकों के साथ उनकी बराबरी कर सकता है। यदि एमआई और जीटी दोनों ही टीमें 20-20 अंकों पर समाप्त होती हैं, यानी मंगलवार को गुजरात के खिलाफ अगर मुंबई की टीम जीत हासिल करती है और उसके बाद गुजरात अपने बाकी बचे तीनों मैच जीतती है तो मुंबई और गुजरात दोनों के पास शीर्ष-दो पर रहते हुए लीग स्टेज को समाप्त करने का मौका होगा। हालांकि, यह आरसीबी के बाकी बचे मैचों के नतीजों पर निर्भर रहेगा।18 अंक भी मुंबई के लिए प्लेऑफ में स्थान बनाने के लिए पर्याप्त होंगे, क्योंकि पंजाब और दिल्ली या दोनों के खिलाफ एमआई की जीत इन दोनों में किसी एक को अधिकतम 17 अंकों तक सीमित कर देगी। गुजरात के लिए भी 18 अंक पर्याप्त होंगे, भले ही वे दिल्ली और मुंबई के खिलाफ अपने मुकाबले हार जाएं। हालांकि, इस स्थिति में गुजरात को लखनऊ और चेन्नई पर जीत हासिल करनी ही होगी।

द. अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जगह बनाने उतरेगी टीम इंडिया

काशवी की चोट ने बढ़ाई चिंता

एजेंसी ● कोलंबो

भारतीय महिला टीम श्रीलंका के कोलंबो में जारी त्रिकोणीय वनडे सीरीज में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका की टीम से भिड़ेगी। इस मैच में टीम इंडिया की नजरें पिछले मैच में श्रीलंका से मिली हार से उबरकर फाइनल में अपनी जगह पक्की करने पर होगी। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम का आठ मैचों की जीत का सिलसिला रविवार को मेजबान श्रीलंका से हार के साथ समाप्त हो गया।भारतीय टीम हालांकि अब भी अपने बेहतर रन रेट के कारण फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है, लेकिन वह अपने अगले मैच में जीत हासिल करके स्थान पक्का करने उतरेगी। भारतीय टीम तीन मुकाबलों में चार अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष पर है। वे दूसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंका से आगे हैं, जिसके भी चार अंक हैं लेकिन उसका नेट रन रेट -0.166 है। भारत का नेट रन रेट 0.433 है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक कोई मैच नहीं जीता है, लेकिन उसे अभी दो मैच खेलने हैं और इनमें जीत हासिल करने पर वह भी फाइनल में जगह बना सकती है। इस सीरीज में भारत की बल्लेबाजी एक बड़ा सकारात्मक पक्ष रही है। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल दो अर्धशतक सहित 163 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। अन्य बल्लेबाजों ने भी इसमें योगदान दिया है।

गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद स्नेह राणा ने गेंदबाजी में कमान अच्छी तरह से संभाली है। उन्होंने तीन मैचों में 4.25 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 11 विकेट लिए हैं। राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में पांच विकेट लिए थे और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगी। पहले दो मैचों में गेंदबाजों ने भारत को जीत दिलाई, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इस मैच में ऑलराउंडर काशवी गौतम केवल पांच ओवर करने के बाद मैदान से बाहर चली गई थी। कप्तान हरमनप्रीत ने हार के बाद कहा था, 'गेंदबाजी एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमें सुधार करने की जरूरत है। आज मौके थे, लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा सके।'

काशवी गौतम के चोटिल होने से लगा झटका

इंडिया टुडे की रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑलराउंडर काशवी गौतम के चोटिल होने से झटका लगा है। गौतम ने इसी सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। हालांकि, वह डेब्यू सीरीज तीन मैच बाद ही पैर में चोट लगा बैठीं और सीरीज से बाहर हो गईं। 22 वर्षीय खिलाड़ी सीरीज में तीन मैचों में कोई विकेट नहीं ले पाईं और बल्ले से भी 22 रन ही बना पाईं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह क्रांति गौड़ को शामिल किया जाना तय है। क्रांति ने भी अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है और डब्ल्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स के लिए आठ मैच खेले हैं। दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने अपने करियर में आठ पारियों में छह विकेट झटके हैं।

दक्षिण अफ्रीका की टीम कर रही संघर्ष

बात अगर दक्षिण अफ्रीका की टीम की करें तो उसकी टीम संघर्ष करती हुई नजर आ रही है। उसे पिछले नौ एकदिवसीय मैचों में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें इस श्रृंखला के दोनों मैच भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने अपने पहले मैच में भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन अगले मैच में उसे श्रीलंका से बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। उसने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों ने खराब प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने में संघर्ष करना पड़ा है, जबकि गेंदबाजों की लाइन और लेंथ में अनुशासन की कमी है, जिससे उसके लिए दबाव बनाना या विकेट लेना मुश्किल हो गया है। श्रीलंका की भीषण गर्मी से निपटने का संघर्ष उनकी मुसीबतों को और बढ़ा रहा है।

भारतः प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, नल्लापुरेड्डी चरणानी।दक्षिण अफ्रीकाः एल वोल्वार्ड्ट (कप्तान), तजमिन ब्रिट्स, लारा गुडॉल, काराबो मेसो (विकेटकीपर), सुने लुस, एनेरी डर्कसन, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, नॉनकुलुलेको मलाबा, मसाबाता क्लास, अयाबोंगा खाका।

कोहली ने इस तरह बनाई टीम इंडिया में जगह

'धोनी ने मेरे हार न मानने वाले जज्बे का समर्थन किया'

एजेंसी ● नई दिल्ली

कोहली को अंडर-19 विश्व कप 2008 जीतने के तुरंत बाद ही भारतीय टीम में ब्रेक मिला था। उन्होंने कहा कि यह उनका दृढ़ संकल्प और तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कोच गैरी कर्स्टन का समर्थन था, जिसने उन्हें टीम में नंबर तीन स्थान सुरक्षित करने में मदद की।विराट कोहली ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने टीम इंडिया में अपने डेब्यू और बल्लेबाजी क्रम में तीन नंबर पक्की करने को लेकर भी बयान दिया। कोहली ने कहा कि तब कप्तान रहे महेंद्र सिंह धोनी और कोच गैरी कर्स्टन ने उनके हार न मानने वाले जज्बे का समर्थन किया और उन्हें लगातार याद दिलाते रहे कि मेरी जिम्मेदारी क्या है और वह किस वजह से मेरा तीसरे नंबर पर समर्थन कर रहे हैं। कोहली ने मयंती लैंगर के साथ 'आरसीबी बोल्ड डायरीज' पॉडकास्ट में ये बातें कहीं।

भारत को अंडर-19 विश्व कप में खिताबी जीत दिलाने से किसी को सीनियर टीम में आसानी से एंट्री नहीं मिलती है और न ही इसकी कोई गारंटी है। हालांकि, कोहली को अंडर-19 विश्व कप 2008 जीतने के तुरंत बाद ही भारतीय टीम में ब्रेक मिला था। उन्होंने कहा कि यह उनका दृढ़ संकल्प और तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कोच गैरी कर्स्टन का समर्थन था, जिसने उन्हें टीम में नंबर तीन स्थान सुरक्षित करने में मदद की।कोहली ने कहा, 'मैं अपनी क्षमता को लेकर बहुत यथार्थवादी था क्योंकि मैंने कई अन्य लोगों को खेलते हुए देखा था। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मेरा खेल कहीं भी उनके करीब था। मेरे पास केवल दृढ़ संकल्प था। अगर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता था, तो मैं कुछ भी करने को तैयार था। यही कारण था कि मुझे शुरूआत में भारत के लिए खेलने का मौका मिला।

गैरी (कर्स्टन) और एमएस (धोनी) ने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि तीसरे नंबर पर मेरी जगह पक्की है।' कोहली ने कहा कि दोनों ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि उन्हें पता था कि कोहली मैदान पर टीम के लिए कुछ भी करने वाला और जीत के लिए लड़ने वाला खिलाड़ी है।उन्होंने कहा, 'धोनी और कर्स्टन ने मुझसे कहा आप मैदान पर जो भी करते हैं, आपकी ऊर्जा, आपकी प्रतिबद्धता, वह हमारे लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम चाहते हैं कि आप अपना स्वाभाविक खेल खेलें। मुझे कभी भी मैच जीतने वाले खिलाड़ी के रूप में नहीं देखा गया, जो कहीं से भी खेल का रुख बदल सकता है, लेकिन मेरे पास यह बात थी कि मैं लड़ता रहूंगा। मैं हार नहीं मानूंगा। इसी जज्बे का धोनी और कर्स्टन ने समर्थन किया था।'

कोहली को लगता है कि क्रिकेट में सफलता के लिए नर्वस एनर्जी बहुत जरूरी है और कोई चाहे कितने भी रन बनाए, यह ऐसी चीज है जो खिलाड़ी को प्रतिस्पर्धी बनाए रखती है। उन्होंने कहा, 'जब आप युवा होते हैं तो आपको लगता है कि अगर मैं इस उम्र तक इतने रन बना लेता हूं या जो भी हो, तो चीजें आसान हो जाएंगी। ऐसा कभी नहीं होता। और यही वास्तव में मार्कर है। जब आप उस नर्वसनेस या इस बात की आशंका को महसूस करना बंद कर देते हैं कि चीजें कैसे सामने आने वाली हैं, तब लोग कहते हैं कि आपका काम तमाम हो गया है। तो इसे खुद से दूर मत होने दीजिए क्योंकि यही नर्वर्स एनर्जी आपको उस पल, उस वर्तमान क्षण में जो करने की जरूरत है, उसे करने के लिए व्यस्त रखती है।'

'नाम बड़े और दर्शन छोटे..', आइसलैंड क्रिकेट ने ली भारतीय खिलाड़ियों की चुटकी

नई दिल्ली। आईपीएल का 18वां सत्र रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। लीग चरण के मुकाबले अभी जारी हैं लेकिन प्लेऑफ की स्थिति लगभग साफ हो गई है। ऐसे में इस सीजन अच्छा और बुरा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की चचाएं होने लगी हैं। ऋषभ पंत मौजूदा सत्र के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं लेकिन वह अपने बल्ले से प्रभावित नहीं कर पाए। इस पर अब आइसलैंड क्रिकेट ने चुटकी ली है। उन्होंने आईपीएल 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की चुटकी ली है।लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला इस सीजन खामोश रहा है। रन बनाना तो बहुत दूर की बात है वह विकेट पर टिकने के लिए भी संघर्ष करते दिखे हैं। 11 मैचों में विकेटकीपर बल्लेबाज ने सिर्फ 128 रन बनाए। वह अपनी कीमत के साथ न्याय नहीं कर पाए हैं। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, वह प्रभावित नहीं कर पाए। मौजूदा सत्र में पंत के अलावा ईशान किशन, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी और वेंकटेश अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा है। इनकी टीमों ने मेगा नीलामी में इन पर मोटी रकम खर्च की थी, लेकिन उनका प्रदर्शन बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा।

चीन के झाओ शिनटोंग इंग्लैंड के शेफील्ड के क्रूसिबल थिएटर में विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप के सत्रहवें दिन वेल्स के मार्क विलियम्स के खिलाफ फाइनल मैच में जीत का जश्न मनाते हुए।

भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच श्रीधर श्रीलंकाई क्रिकेटरों को देंगे ट्रेनिंग

नई दिल्ली। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच रह चुके आर श्रीधर अब श्रीलंकाई क्रिकेटरों को ट्रेनिंग देंगे। श्रीधर बुधवार से श्रीलंका के विभिन्न स्तरों के क्रिकेटरों के लिए 10 दिवसीय व्यापक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने इसकी जानकारी दी है। श्रीधर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लेवल श्री के कोच हैं और वह श्रीलंका की पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों, उभरती हुई टीमों, प्रीमियर क्लब के खिलाड़ियों, अंडर 19 टीम और महिला ह्यएह्ल टीम का क्षेत्ररक्षण सत्र में मार्गदर्शन करेंगे।श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा, इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य श्रीलंका के क्रिकेटरों के क्षेत्ररक्षण मानकों को बेहतर बनाना है। श्रीधर के पास काफी अनुभव है। उन्होंने 2014 से 2021 तक 300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के क्षेत्ररक्षण कोच के रूप में काम किया है।

'जब मैं बुलंदियों पर था तो आरसीबी छोड़ने के सुझाव मिले...', इन एथलीट्स ने कोहली को रुकने के लिए किया प्रेरित

एजेंसी ● नई दिल्ली

कोहली ने स्वीकार किया कि तनाव ने खेल के प्रति उनके प्यार को प्रभावित करना शुरू किया था। उन्होंने एक पॉडकास्ट में खुलासा किया है कि उन कठिन वर्षों के दौरान उन्होंने आरसीबी छोड़ने पर भी विचार किया था।आईपीएल में विराट कोहली एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जो 18 सत्रों तक एक ही टीम से जुड़े रहे। हालांकि, एक ही टीम से जुड़े रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उनके लिए ऐसा करना आसान नहीं था और इसका खुलासा खुद कोहली ने एक पॉडकास्ट में किया है।

उन्होंने मयंती लैंगर के साथ 'आरसीबी बोल्ड डायरीज' पॉडकास्ट में कहा कि एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें इस फ्रेंचाइजी को छोड़ने के सुझाव मिल रहे थे। तब वह अपनी बुलंदियों पर थे। हालांकि, तब उन्हें एहसास हुआ कि फैंस और लोगों से रिश्ता ज्यादा जरूरी है और बेंगलुरु को ही उन्होंने अपना घर बना लिया।मयंती ने कोहली से पूछा- 18 साल एक फ्रेंचाइजी में...ग्लोबल स्पोर्ट्स या इससे जुड़े लीजेंड्स से कभी आपने इसे जोड़कर देखा? जॉर्डन, शुमाकर, हैमिल्टन, रोनाल्डो, मेसी...जैसे महान एथलीट्स भी कभी एक फ्रेंचाइजी से जुड़कर नहीं रहे। हमने रिसर्च किया और शायद सिर्फ टॉम ब्रैडी ही एक ऐसे एथलीट हैं जो एक ही टीम के साथ 19 साल तक जुड़े रहे। क्या आपने इस तरह से कभी सोचा है? इस पर कोहली ने कहा, 'हां बिल्कुल सोचा है। इसमें कई और भी नाम हैं, भले ही वे बहुत बड़े एथलीट्स नहीं हैं, जैसे स्टीवन जेरार्ड (लिवरपूल के पूर्व फुटबॉलर), फ्रैंचेस्को टोट्टी (एस रोमा के पूर्व फुटबॉलर)। मैंने पहले भी कहा है, मुझे अपने करियर की ऊंचाइयों के दौरान किसी और टीम को तलाशने और देखने का अवसर मिला था। 2016 से 2019 तक मुझे लगातार स्विच करने के सुझाव मिले थे। एक समय पर आकर मेरे लिए सच में कठिन हो गया था क्योंकि मेरे जीवन में बहुत कुछ हो रहा था। फैंस को हर मैच में मुझसे उम्मीदें थीं।'कोहली ने स्वीकार किया कि तनाव ने खेल के प्रति उनके प्यार को प्रभावित करना शुरू कर दिया था।

79 रन बनाते ही रोहित शर्मा बना लेंगे बड़ा रिकॉर्ड, इस मामले में कर सकते हैं विराट कोहली की बराबरी

एजेंसी ● नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ मंगलवार को खेले जाने वाले मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। हिटमैन 79 रन बनाते ही विराट कोहली की बराबरी कर लेंगे। आईपीएल 2025 का 56वां मुकाबला वानखेड़े में खेला जाएगा। इस मैच में जीत के साथ पांच बार की विजेता टीम अंक तालिका में पहला स्थान हासिल करना चाहेगी।अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा आगामी मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। वह 79 रन बनाते ही आईपीएल में 7000 रन पूरे कर लेंगे। ऐसा करने वाले वह विराट कोहली के बाद दूसरे बल्लेबाज होंगे। हिटमैन ने पिछली चार पारियों में तीन

अर्धशतक जड़े हैं। वह दमदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

दाएं हाथ के बल्लेबाज की सत्र में शुरूआत अच्छी नहीं हुई थी। हालांकि, चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 45 गेंदों में 76 रनों की नाबाद पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की और टीम को नौ विकेट से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब तक खेले 10 मैचों में रोहित ने 293 रन बनाए हैं। इनमें तीन अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। 38 वर्षीय बल्लेबाज के नाम आईपीएल में 262 पारियों में 6921 रन दर्ज हैं।

इनमें दो शतक और 46 अर्धशतक शामिल हैं।गुजरात के खिलाफ मुकाबले में रोहित एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। वह आईपीएल में 300 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने से वह महज तीन कदम दूर हैं यानी उन्हें सिर्फ तीन छक्के और लगाने हैं। आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज का नाम क्रिस गेल है, जिन्होंने 141 पारियों में 357 छक्के ठोके हैं। वहीं, रोहित के नाम 262 पारियों में 297 छक्के दर्ज हैं।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 07 मई, 2025
www.adityabharat.com

रोलरकोस्टर राइड के भी अपने मजे...

रस्ट, जर्मनी के शहर रस्ट में बने यूरोपा पार्क मनोरंजन पार्क में पर्यटक 'अटलांटिका' वाटरस्प्लैश रोलरकोस्टर का मजा लेते हुए। यह पार्क दुनिया के सबसे बड़े एम्यूजमेंट पार्कों में से एक है। यह पार्क इस साल 12 जुलाई को अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है।

शॉट न्यूज

बांग्लादेश के हिंदू संत चिन्मय दास गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में चटगांव कोर्ट ने हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। यह आदेश चटगांव कोर्ट के वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या के मामले में दिया गया। पिछले साल 7 नवंबर को कोर्ट परिसर के बाहर वकील की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। इस मामले से जुड़े अन्य तीन आवेदनों पर मंगलवार को सुनवाई होगी। चटगांव के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अर्जी मंजूर कर ली और वर्चुअल सुनवाई के दौरान आदेश पारित किया। वकील की मौत मामले में 21 लोग अभी भी जेल में सैफुल इस्लाम ऊर्फ आलिफ चटगांव में एक असिस्टेंट पब्लिक प्रोसिक्यूटर था।

रूस ने यूक्रेन पर लगाया ड्रोन हमला करने का आरोप

मॉस्को। रूस ने कहा है कि यूक्रेन ने लगातार दूसरी रात मॉस्को को निशाना बनाकर रात भर ड्रोन हमला किया है। मॉस्को के अलावा पेन्जा और वोरोनिश समेत बाकी रूसी शहरों पर भी हमले किए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी की सुरक्षा के लिए सभी चार प्रमुख एयरपोर्ट्स को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने कहा कि कम से कम 19 यूक्रेनी ड्रोन से सोमवार रात मॉस्को पर हमला हुआ लेकिन उन सभी को नष्ट कर दिया गया। इससे पहले रूस ने रविवार रात यूक्रेन के 26 ड्रोन को नष्ट करने का दावा किया था। यूक्रेन ने रूस के दावे पर अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं, यूक्रेनी शहर खारकिएव के मेयर ने कहा कि रूस ने रातभर ड्रोन हमले किए हैं।

8 लाख हिंदुओं को कनाडा से निकालने की मांग

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां हिंदू विरोधी परेड निकाली गई। यह परेड ऐसे समय में आयोजित की गई, जब कनाडा के हालिया चुनाव में मार्क कार्नी ने जीत हासिल कर दोबारा पीएम पद संभाला है। इससे पहले जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में भारत के साथ कनाडा के रिश्ते लगातार तनावपूर्ण रहे थे, और अब इस परेड ने नए पीएम के नेतृत्व पर भी सवाल खड़ा कर दिया है। इस खालिस्तानी समर्थक कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पुतलों को पिंजरे में बंद करके प्रदर्शित किया। परेड में नारे लगाए गए कि यह प्रदर्शन पंजाब की आजादी के लिए है।

3000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना

ट्रम्प ने रोक दिया यूएन को मिलने वाला 19 हजार करोड़ का फंड

एजेंसी ● न्यूयॉर्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को मिलने वाले 19 हजार करोड़ का फंड रोक रखा है। इसमें से कुछ पैसा बाइडेन प्रशासन के कार्यकाल का भी है। ट्रम्प के फंड नहीं देने से यूएन कंगाली के मुहाने पर खड़ा है। बजट संकट इतना गंभीर है कि अगर हालात नहीं बदले, तो पांच महीने के बाद कर्मचारियों को तनख्वाह देने के पैसे भी नहीं होंगे। बजट संकट के चलते यूएन अपने कई विभागों से 3000 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, यूएन नाइजीरिया, पाकिस्तान और लीबिया जैसे देशों में कर्मियों की संख्या 20 फीसदी तक घटाएगा। बता दें कि यूएन का 2025 का कुल बजट करीब 32 हजार करोड़ का है।

योजना

अमेरिका अगर इस साल भी अपनी जरूरी वित्तीय मदद नहीं चुकाता तो 2027 तक उसे संयुक्त राष्ट्र महासभा में वोट देने का अधिकार गंवाना पड़ सकता है। यूएन चार्टर के अनुच्छेद 19 के मुताबिक, कोई भी सदस्य देश जो दो साल तक अपनी अनिवार्य सदस्यता शुल्क का भुगतान नहीं करता तो वह महासभा में वोटिंग का अधिकार खो देता है। ईरान, वेनेजुएला, जैसे देशों को अनिवार्य भुगतान न करने के कारण वोटिंग अधिकार गंवाना पड़ा है। हालांकि, ऐसा होने पर यूएन की साख को भी झटका लग सकता है। यूएन के बजट में चीन की हिस्सेदारी 20% है। चीन ने बीते साल हिस्सेदारी देने में देरी की। 2024 में उसका फंड 27 दिसंबर को आया। यूएन उस फंड को खर्च नहीं कर सका। नियमों के तहत पैसा खर्च न होने पर उसे सदस्य देशों को वापस करना पड़ता है।

बीते वर्ष 41 देशों पर 7 हजार करोड़ की राशि बकाया रही

संयुक्त राष्ट्र को मिलने वाला पैसा सदस्य देशों की आर्थिक क्षमता के अनुसार तय होता है। यह फंडिंग आमतौर पर साल की शुरुआत यानी जनवरी में मिल जानी चाहिए, लेकिन 2024 में करीब 15% भुगतान दिसंबर तक नहीं आया। 2024 में सात हजार करोड़ रुपए की राशि 41 देशों पर बकाया रही। इसमें अमेरिका, अर्जेंटीना, मेक्सिको और वेनेजुएला जैसे देश शामिल हैं। इस साल अब तक केवल 49 देशों ने समय पर भुगतान किया है। बाकी देशों ने फंड को लेकर चुप्पी साध रखी है। बीते वर्ष 80 साल पुराने संगठन संयुक्त राष्ट्र को बजट और नकदी के स्तर पर कुल 1,660 करोड़ का सीधा घाटा हुआ। यह घाटा तब हुआ जब यूएन ने अपने कुल बजट का 90 फीसदी ही खर्च किया था। यूएन के इंटरनल ऑडिट के मुताबिक अगर एजेंसी ने कटौतियां नहीं की तो इस साल के अंत तक घाटा 20 हजार करोड़ रुपए तक जा सकता है।

हार्वर्ड पर ट्रंप की बड़ी कार्रवाई

यूनिवर्सिटी को दी जाने वाली सरकारी मदद पर लगाई रोक

एजेंसी ● न्यूयॉर्क

फिलिस्तीन के समर्थन और इजरायल के विरोध में कैंपस में हुए प्रदर्शनों के बाद हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की तरफ से एक के बाद एक कार्रवाई जारी है। अमेरिकी शिक्षा विभाग ने यूनिवर्सिटी को रिसर्च और अन्य वित्तीय मदद के रूप में मिलने वाले अरबों डॉलर के फंड्स को रोक दिया है। विभाग ने इस बात की जानकरी यूनिवर्सिटी प्रशासन को दी है। विदेशी वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह रोक तब तक जारी रहेगा जब तक कि हार्वर्ड ट्रंप प्रशासन की मांगों को स्वीकार नहीं कर लेता है। विभाग ने यूनिवर्सिटी से कैंपस में कथित एंटीसेमिटिज्म यानी यहूदी विरोधी गतिविधियों, स्टूडेंट्स रेस पॉलिसी, और संस्थान में अनुदान लेने पर रोक लगाने वाले फैसले के बारे में सफाई मांगी है।

शिक्षा विभाग की सचिव, लिंडा मैकमैहन ने एक चिट्ठी में कहा कि हार्वर्ड को संघीय सरकार से अनुदान नहीं मांगना चाहिए, क्योंकि अब कोई अनुदान नहीं दिया जाएगा। हार्वर्ड ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने यह कदम उठाने के लिए कानूनी सीमाओं को ध्यान में रखते हुए नया तरीका अपनाया है।

फिलिस्तीन पर कार्रवाई की मांग - फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के बाद ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर आरोप लगाए थे कि कैंपस में यहूदी विरोधी गतिविधियां चल रही हैं। ट्रंप प्रशासन ने कैंपस में ऐसे समूहों के खिलाफ कार्रवाई करने और विरोध-प्रदर्शनों पर मास्क बैन लगाने की मांग रखी थी। हालांकि, यूनिवर्सिटी की तरफ से ऐसे आरोपों से इनकार किया गया है। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन की डिमांड के मुताबिक, कैंपस प्रोटेस्टर्स पर किसी तरह की ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे ट्रंप प्रशासन की नाराजगी बढ़ी है।

वॉर कैबिनेट ने प्लान को मंजूरी दी

गाजा पर पूरी तरह से कब्जा करने की तैयारी कर रहा इजरायल

एजेंसी ● तेल अवीव

इजराइली सेना गाजा में सैन्य अभियान को और तेज करेगी। इजराइल की वॉर कैबिनेट ने कल इस फैसले पर मंजूरी दे दी। इसमें गाजा पर पूरी तरह से 'कब्जा' करने और पूरे इलाके पर कंट्रोल करने का प्लान शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा कि उम्मीद है कि इसे अगले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की यात्रा के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। इजराइल तब तक हमास के साथ सीजफायर और बंधक समझौते पर पहुंचने की कोशिश जारी रखेगा। हालांकि इजराइली सेना के चीफ इयाल जमीन ने गाजा में अभियान तेज करने को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यह अभियान गाजा में बंधकों की जान को खतरे में डाल सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि नए प्लान से हमास के खिलाफ ज्यादा मजबूत हमले करने और वहां रह गए बंधकों को लाने में मदद मिलेगी।

मंजूरी

दूसरी तरफ इजराइल ने सोमवार को यमन पर 30 लड़ाकू विमानों के एक स्क्वाड्रन के साथ हवाई हमला किया। इससे एक दिन पहले हूती लड़ाकों ने इजराइल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर मिसाइल से हमला किया था। इस पर इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा था कि जो हमें नुकसान पहुंचाएगा, हम उसे 7 गुना जवाब देंगे। हूती का वही अंजाम होगा जो हमने हमास और हिजबुल्लाह का किया है।

इजराइली अधिकारी बोले- गाजा पर हमला करने के 2 मकसद

जमीर ने वॉर कैबिनेट की बैठक में कहा कि गाजा पर कंट्रोल करने की कोशिश में जरूरी नहीं कि सेना बंधकों तक पहुंच पाएगी। ऐसी स्थिति में वे बंधकों को खो सकते हैं। जमीर ने कहा कि गाजा में इजराइली सेना के एक्शन के दो मकसद हैं। पहला मकसद हमास को हराना दूसरा बंधकों को बचाना है। लेकिन दोनों मकसद एक साथ पूरा करने में मुश्किलें आ सकती हैं। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को हमला कर इजराइल के 250 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था। बंधकों की रिहाई के बाद अब हमास के पास इजराइल के 59 बंधक और बचे हैं, जिसमें से 35 की मौत हो चुकी है।

इजराइल ने रिजर्व सैनिकों को बुलाना शुरू किया

इससे एक दिन पहले सेना इयाल जमीर ने कहा था कि वे अपने रिजर्व सैनिकों को इसके लिए बुला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना गाजा में जमीन और जमीन के भीतर बने हमास के सभी बुनियादी ढांचे को बर्बाद कर देगी। इजराइल और हमास के बीच 8 हफ्ते से जारी सीजफायर 18 मार्च को टूट गया था। इसके बाद इजराइल ने फिर से गाजा पर हमला करना शुरू कर दिया था। इजराइल ने गाजा को मिलने वाली मदद पर भी रोक लगा दी है। दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर बातचीत अभी भी रुकी हुई है। हमास ने बंधकों की रिहाई पर आगे की चर्चा करने से इनकार कर दिया है जब तक कि इजराइल युद्ध को समाप्त करने और गाजा से अपनी सभी सेनाओं को वापस बुलाने के लिए सहमत नहीं हो जाता। यूनाइटेड नेशन के मुताबिक इजराइल ने गाजा के 70% इलाके को रेड जोन घोषित कर रखा है। यहां रहने वाले लोगों को इलाका छोड़ने के आदेश दे दिए गए हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)